खण्ड–497, अंक–7
गुरुवार, 10 भाद्रपद, शक संवत् 1938
(01 सितम्बर, 2016 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

-: 0 :-

(अधिकृत विवरण)

(सोलहवीं विधान सभा, द्वितीय सत्र, 2016)

(खण्ड 497 में 7 अंक हैं)

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2016

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे ।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 रुपये, महसूल सहित रु0 724.25 रुपये ।

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
उपस्थित सदस्य	1-6
समाचार प्लस इलेक्ट्रानिक चैनल द्वारा मा0 सदस्य के विरुद्ध गलत समाचार प्रसारित किये जाने का प्रकरण...	7
उप लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या-15-2016 (उप लो0आ0) (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित) (सदन के पटल पर रखा गया)... ...	7
कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव (स्वीकृत)	8
मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016 (पुरःस्थापित) ...	9-10
मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के विचार एवं पारण की मद आज ही लिये जाने का प्रस्ताव (स्वीकृत)	10
उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016 (पारित) ...	10-11
उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2016 (पारित)	11-13
मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016 (पारित) ...	13-17
आज तक चैनल द्वारा दिखाये जा रहे स्टिंग आपरेशन में मा0 सदस्य (श्री कपिल देव अग्रवाल) को लांछित किये जाने का प्रकरण (जारी)	17
प्रमुख कर अधीक्षक, नगर विकास श्री पी0 के0 मिश्र, इलाहाबाद को तत्काल हटाने की मांग	18
सहारनपुर में कानून-व्यवस्था की बदहाल स्थिति एवं स्कूली बच्चों के अपहरण का प्रकरण	18
आज तक चैनल द्वारा दिखाये जा रहे स्टिंग आपरेशन में मा0 सदस्य (श्री कपिल देव अग्रवाल) को लांछित किये जाने का प्रकरण	19
सदन संचालन में सहयोग हेतु सभी सदस्यों के प्रति आभार प्रदर्शन... ...	19-33
सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिये स्थगित करने का प्रस्ताव... ...	33
राष्ट्रगान	34

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सोलहवीं विधान सभा

गुरुवार, दिनांक 01 सितम्बर, 2016 ई0

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 11 बजे अध्यक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य-243

1. अन्सार अहमद, श्री — इलाहाबाद
2. अजय, श्री — वाराणसी
3. अजय कपूर, श्री — कानपुर नगर
4. अजय कुमार, डा0 — इलाहाबाद
5. अजय कुमार 'लल्लू', श्री — कुशीनगर
6. अजीमुल हक पहलवान हाजी — अम्बेडकरनगर
7. अताउररहमान, श्री — बरेली
8. अनिल कुमार दोहरे, श्री — कन्नौज
9. अनिल वर्मा, श्री — उन्नाव
10. अनीसुर्ररहमान, श्री — मुरादाबाद
11. अनुग्रह नारायण सिंह, श्री — इलाहाबाद
12. अनूप सण्डा, श्री — सुल्तानपुर
13. अब्दुल मशहूद खाँ, श्री — बलरामपुर
14. अभय नरायन सिंह पटेल, श्री — आजमगढ़
15. अमित गौरव यादव, श्री — एटा
16. अयोध्या प्रसाद पाल, श्री — फतेहपुर
17. अरविन्द कुमार सिंह 'गोप', श्री — बाराबंकी
18. अरविन्द सिंह यादव, श्री — कन्नौज
19. अराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती — प्रतापगढ़
20. अरूण वर्मा, श्री — सुल्तानपुर
21. अरूण कुमारी कोरी, श्रीमती — कानपुर नगर
22. अलगू प्रसाद चौहान, श्री — सन्तकबीर नगर
23. अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू सिंह, श्री — गोण्डा
24. अवधेश प्रसाद, श्री — फैजाबाद
25. अवस्थी बाला प्रसाद, श्री — लखीमपुर खीरी
26. आदिल शेख, श्री — आजमगढ़
27. आनन्द सिंह, कुंवर — गोण्डा
28. आबिद रजा खां, श्री — बदायूं
29. आरिफ अनवर हाशमी, श्री — बलरामपुर
30. आलोक कुमार शाक्य, श्री — मैनपुरी
31. आशीष कुमार यादव, श्री — एटा
32. आशीष यादव, श्री — बदायूं
33. आशुतोष टण्डन (गोपाल जी), श्री — लखनऊ
34. इकबाल महमूद, श्री — सम्भल
35. इन्दल कुमार, श्री — लखनऊ
36. इन्द्रजीत कोरी, श्री — कानपुर नगर
37. इन्द्राणी देवी, श्रीमती — श्रावस्ती
38. इरफान सोलंकी, हाजी — कानपुर नगर
39. उत्कर्ष वर्मा मधुर, श्री — लखीमपुर खीरी
40. उदयराज, श्री — उन्नाव
41. उपेन्द्र तिवारी, श्री — बलिया
42. उमाकान्ती, श्रीमती — जालौन
43. उमाशंकर, श्री — बलिया
44. उमेश पाण्डेय, श्री — मऊ
45. ओमकार सिंह, श्री — बदायूं

46. *कपिल देव अग्रवाल, श्री मुजफ्फरनगर
47. कमाल अख्तर, श्री अमरोहा
48. कमाल युसुफ मलिक, श्री सिद्धार्थनगर
49. काली चरन सुमन, श्री आगरा
50. किसमतिया, श्रीमती गाजीपुर
51. कुलदीप सिंह सेंगर, श्री उन्नाव
52. कृष्ण गोपाल पटेल, श्री लखीमपुर खीरी
53. कृष्णपाल सिंह राजपूत, श्री झांसी
54. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
55. कैलाश चौरसिया, श्री मिर्जापुर
56. कौशल सिंह कुंवर, श्री महराजगंज
57. गजराज सिंह, श्री हापुड़
58. गयाचरण दिनकर, श्री बांदा
59. गयादीन अनुरागी, श्री हमीरपुर
60. गिरीश चन्द्र उर्फ गामा पाण्डेय, श्री इलाहाबाद
61. गोरख पासवान, श्री बलिया
62. चन्द्रभान सिंह पटेल, श्री चित्रकूट
63. चन्द्रा रावत, श्रीमती लखनऊ
64. छोटेलाल वर्मा, श्री आगरा
65. जगतम्बा सिंह, श्री मिर्जापुर
66. जगराम पासवान, श्री बलरामपुर
67. जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री फर्रुखाबाद
68. जय प्रकाश निषाद, श्री गोरखपुर
69. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
70. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
71. जाहीद बेग, श्री सन्तरविदास नगर (भदोही)
72. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
73. जीतेन्द्र कुमार उर्फ नन्दू चौधरी, श्री बस्ती
74. तसलीम, श्री बिजनौर
75. तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय, श्री फैजाबाद
76. तेजपाल सिंह, श्री मथुरा
77. दयाशंकर वर्मा, श्री जालौन
78. दलजीत सिंह, श्री बांदा
79. दलवीर सिंह, श्री अलीगढ़
80. दिलनवाज खान, श्री बुलन्दशहर
81. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
82. देवनरायन उर्फ जी0एम0 सिंह, श्री महराजगंज
83. धर्मपाल सिंह, डा0 आगरा
84. धर्मराज, श्री बाराबंकी
85. नजीवा खान जीनत, श्रीमती कासगंज
86. नन्दिता शुक्ल, श्रीमती गोण्डा
87. नवाब जान, श्री मुरादाबाद
88. नागेन्द्र सिंह ''मुन्ना यादव'', श्री प्रतापगढ़
89. नारद राय, श्री बलिया
90. नीरज (कुशवाहा) मौर्य, श्री शाहजहांपुर
91. पंकज कुमार मलिक, श्री शामली
92. पिंकी सिंह, श्रीमती सम्भल
93. पीतमराम, श्री पीलीभीत
94. पूनम सोनकर, श्रीमती चन्दौली
95. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
96. पूर्णमासी देहाती, श्री कुशीनगर
97. प्रदीप चौधरी, श्री सहारनपुर
98. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
99. प्रदीप माथुर, श्री मथुरा
100. प्रमोद कुमार गुप्ता, श्री औरैया
101. प्रशान्त कुमार सिंह (राहुल सिंह), श्री इलाहाबाद
102. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर

* उप चुनाव में निर्वाचित।

103. फरीद महफूज किदवई, श्री बाराबंकी
104. फसीहा मंजर ''गजाला लारी'', श्रीमती देवरिया
105. फेरन लाल, श्री ललितपुर
106. बंशी सिंह पहाड़िया, श्री बुलन्दशहर
107. बदलू खां, श्री उन्नाव
108. बाबू खां, श्री हरदोई
109. बाबूलाल, श्री गोण्डा
110. बावन सिंह, श्री गोण्डा
111. बिमला सिंह सोलंकी, श्रीमती बुलन्दशहर
112. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
113. बेचई सरोज, श्री आजमगढ़
114. बैजनाथ, श्री मऊ
115. भगवती प्रसाद, श्री अलीगढ़
116. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
117. भाई लाल कोल, श्री मिर्जापुर
118. भीम प्रसाद सोनकर, श्री अम्बेडकरनगर
119. मदन गोपाल वर्मा, श्री फतेहपुर
120. मदन चौहान, श्री गाजियाबाद
121. मधुबाला, श्रीमती सन्त रविदास नगर (भदोही)
122. मनीष रावत, श्री सीतापुर
123. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
124. ममतेश शाक्य, श्री कासगंज
125. महबूब अली, श्री अमरोहा
126. महावीर सिंह, कुं0 हरदोई
127. महावीर सिंह राणा, श्री सहारनपुर
128. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
129. मानपाल सिंह, श्री कासगंज
130- *माविया अली, श्री सहारनपुर

* उप चुनाव में निर्वाचित।

131. मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेन्द्र प्रताप, श्री बहराइच
132. मुख्तार अंसारी, श्री मऊ
133. मुनीन्द्र शुक्ला, श्री कानुपर नगर
134. मुहम्मद गाजी, श्री बिजनौर
135. मूलचन्द्र चौहान, ठा0 बिजनौर
136. मो0 आसिफ, श्री फतेहपुर
137. *मो0 फईम, श्री मुरादाबाद
138. मो0 रेहान, श्री लखनऊ
139. मोहम्मद आजम खां, श्री रामपुर
140. मोहम्मद रिजवान, श्री मुरादाबाद
141. मौहम्मद इकबाल, श्री बिजनौर
142. मौहम्मद युसुफ अंसारी, श्री मुरादाबाद
143. योगेश प्रताप सिंह 'योगेश भइया', श्री गोण्डा
144. रघुनन्दन सिंह भदौरिया, श्री कानपुर नगर
145. रघुराज सिंह शाक्य, श्री इटावा
146. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
147. रणजीत सुमन, श्री एटा
148. रमेश चन्द बिन्द, डा0 मिर्जापुर
149. रविन्द्र भडाना, श्री मेरठ
150. राकेश कुमार, श्री अलीगढ़
151. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
152. राजनारायण बुधौलिया उर्फ रज्जू महाराज, श्री महोबा
153. राजमती, श्रीमती गोरखपुर
154. राजीव गुम्बर, श्री सहारनपुर
155. राजेन्द्र, श्री गोरखपुर
156. राजेश अग्रवाल, श्री बरेली
157. राजेश यादव, श्री शाहजहांपुर
158. राजेश्वरी, श्रीमती हरदोई
159. राधा मोहन दास अग्रवाल, डा0 गोरखपुर
160. राधेलाल रावत, श्री उन्नाव
161. राधेश्याम सिंह, श्री कुशीनगर
162. राम करन आर्य, श्री बस्ती
163. रामखिलाड़ी सिंह यादव, श्री सम्भल

164. रामगोपाल, श्री बाराबंकी
165. राम गोविन्द, श्री बलिया
166. रामचन्द्र चौधरी, श्री सुल्तानपुर
167. राम चन्द्र यादव, श्री फैजाबाद
168. राम प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
169. राम मगन, श्री बाराबंकी
170. राममूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकर नगर
171. राममूर्ती सिंह वर्मा, श्री शाहजहांपुर
172. रामलाल अकेला, श्री रायबरेली
173. रामवीर सिंह, श्री फिरोजाबाद
174. राम शरन, श्री लखीमपुर खीरी
175. रामहेत भारती, श्री सीतापुर
176. रामेश्वर सिंह यादव, श्री एटा
177. रुचिवीरा, श्रीमती बिजनौर
178. रुबी प्रसाद, श्रीमती सोनभद्र
179. रोशन लाल वर्मा, श्री शाहजहांपुर
180. लक्ष्मीकान्त उर्फ पप्पू निषाद, श्री सन्तकबीर नगर
181. लक्ष्मी गौतम, श्रीमती सम्भल
182. ललितेश पति त्रिपाठी, श्री मिर्जापुर
183. लालमुन्नी सिंह, श्रीमती सिद्धार्थनगर
184. लोकेन्द्र सिंह, श्री बिजनौर
185. वसीम अहमद, श्री आजमगढ़
186. विजमा यादव, श्रीमती इलाहाबाद
187. विजय कुमार पासवान, श्री सिद्धार्थनगर
188. विजय मिश्र, श्री सन्त रविदास नगर (भदोही)
189. विजय कुमार मिश्र, श्री गाजीपुर
190. विजय बहादुर पाल, श्री कन्नौज
191. विजय बहादुर यादव, श्री गोरखपुर
192. विनय तिवारी, श्री लखीमपुर खीरी
193. विनोद तिवारी, श्री महराजगंज
194. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
195. विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह, श्री गोण्डा
196. विमला बाथम, श्रीमती गौतमबुद्धनगर
197. विवेक कुमार सिंह, श्री बांदा
198. विशम्भर सिंह, श्री बांदा
199. वीर सिंह, श्री चित्रकूट
200. शंखलाल मांझी, श्री अम्बेडकर नगर
201. शकुन्तला देवी, सुश्री शाहजहांपुर
202. शमशेर बहादुर उर्फ शेरू भैय्या, श्री लखीमपुर खीरी
203. शमीमुल हक, श्री मुरादाबाद
204. शहजिल इस्लाम, श्री बरेली
205. शाकिर अली, श्री देवरिया
206. शारदा प्रताप शुक्ला, श्री लखनऊ
207. शाह आलम उर्फ गुड्डु जमाली, श्री आजमगढ़
208. शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
209. शिव चरन प्रजापति, श्री हमीरपुर
210. शिव पाल सिंह यादव, श्री इटावा
211. शिव प्रताप यादव, डा0 बलरामपुर
212. शिवाकान्त ओझा, प्रो0 प्रतापगढ़
213. शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री महाराजगंज
214. शैलेन्द्र यादव 'ललई', श्री जौनपुर
215. श्याम बहादुर सिंह यादव, श्री आजमगढ़
216. श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
217. श्रद्धा यादव, श्रीमती जौनपुर
218. संग्राम यादव, डा0 आजमगढ़
219. संजय कपूर, श्री रामपुर
220. सईद अहमद, श्री इलाहाबाद
221. सचीन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री जौनपुर

222. सतीश कुमार निगम 'एडवोकेट', श्री — कानपुर नगर
223. सत्यदेव पचौरी, श्री — कानपुर नगर
224. सन्त प्रसाद, श्री — गोरखपुर
225. सन्तराम कुशवाहा, श्री — जालौन
226. सिबगतुल्ला अंसारी, श्री — गाजीपुर
227. सियाराम सागर, डा0 — बरेली
228. सीमा, श्रीमती — जौनपुर
229. सुखदेव प्रसाद वर्मा, श्री — फतेहपुर
230. सुखदेवी वर्मा, श्रीमती — इटावा
231. सुदामा प्रसाद, श्री — महराजगंज
232. सुदेश शर्मा, श्री — गाजियाबाद
233. सुधीर कुमार, श्री — उन्नाव
234. सुनील कुमार लाला, श्री — लखीमपुर खीरी
235. सुब्बा राम, श्री — गाजीपुर
236. सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री — रायबरेली
237. सुरेन्द्र सिंह पटेल, श्री — वाराणसी
238. सुरेश राणा, श्री — शामली
239. सुरेश कुमार खन्ना, श्री — शाहजहांपुर
240. सैय्यदा शादाब फातिमा, श्रीमती — गाजीपुर
241. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री — लखीमपुर खीरी
242. हरिओउम् यादव, श्री — फिरोजाबाद
243. हेमराज वर्मा, श्री — पीलीभीत

नोट :-मुख्य मंत्री (श्री अखिलेश यादव), बेसिक शिक्षा मंत्री (श्री अहमद हसन), माध्यमिक शिक्षा मंत्री (श्री बलराम यादव), राजनैतिक पेंशन मंत्री (श्री राजेन्द्र चौधरी), कारागार मंत्री (श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया), पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं विकलांग जन विकास मंत्री (श्री साहब सिंह सैनी) तथा खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री राम सकल गूर्जर) भी सदन में मौजूद थे।

समाचार प्लस इलेक्ट्रानिक चैनल द्वारा मा0 सदस्य के विरुद्ध गलत समाचार प्रसारित किये जाने का प्रकरण

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-1 पुकारे जाने पर।

वन (राज्य मंत्री) (श्री तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय)-

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं अपना एक निजी मामला लाना चाहता हूँ। एक इलेक्ट्रानिक चैनल है समाचार प्लस और विगत दो दिनों से वह मेरे खिलाफ टी0वी0 चैनल पर दिखा रहा है अपने चैनल पर कि मैं दिल्ली गया और केन्द्रीय गृह मंत्री से मिला अपने फैजाबाद के भाजपा के सांसद के सम्पर्क में हूं और इन माध्यमों से वह लगातार मेरी छवि को धूमिल करने का कार्य कर रहा है। मैं आपका संरक्षण चाहता हूं, आप सदन की सर्वोच्च कुर्सी पर बैठे हैं इन साम्प्रदायिक शक्तियों के खिलाफ जब से मैंने अपनी राजनीति की शुरूआत की मैं लगातार उन लोगों से लड़ा हूं और मैं इस चीज को चुनौती देते हुए, समाचार प्लस चैनल के जो भी अधिकारी हों और आपके संरक्षण के माध्यम से इस पर आपसे न्याय भी चाहता हूं। चूंकि आज तक मेरी कभी भी भारत सरकार के गृह मंत्री से मुलाकात नहीं हुई है और न ही मेरी अपने सांसद से कभी बातचीत हुई है। मेरे साथ झूँठा प्रचार करके जो मेरे सम्मान के खिलाफ, मेरी मानहानि और मेरी निष्ठा के खिलाफ एक तरह से षड़यन्त्र कर रहे हैं तो मैं इस पर आपका संरक्षण चाहता हूं और चाहता हूं कि जो भी लोग इसके दोषी हैं जो भी लोग इस तरह के काम में लिप्त हैं उनके ऊपर कार्रवाई की जाय। आप इस पीठ के अध्यक्ष हैं मुझे आपसे भी न्याय की गुहार है कि ऐसे जो इलेक्ट्रानिक चैनल हैं जो लगातार समाज के माहौल को खराब कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

आप ऐसा करिये, आपके नियमावली में इसकी व्यवस्था है आप नियम-63 में आप लिखकर देंगे विशेषाधिकार का मामला बनेगा तो इसको हम देखेंगे आप बैठें।

श्री तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय-

अध्यक्ष जी, जैसे मैं समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता हूं और अंतिम श्वांस तक रहूंगा। लेकिन इन चैनल्स के खिलाफ इस सदन से कुछ ऐसा जाना चाहिए। जिसके खिलाफ जो मन होता है चला देते हैं न कोई प्रमाण है, न तथ्य है, न साक्ष्य है न कुछ है सूत्र के आधार पर कुछ भी लिख दे।

श्री अध्यक्ष-

आपने कह दिया सफाई हो गयी, बैठ जायें।

[11.04] उप लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या-15-2016 (उप लो0आ0) (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित)†

दुग्ध विकास मंत्री (श्री राम मूर्ति वर्मा)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उप लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या-15-2016 (उप लो0आ0) (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित) को उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त एवं उप लोक आयुक्त अधिनियम, 1975 की धारा-12 की उपधारा (7) की अपेक्षानुसार सदन के पटल पर रखता हूं।

---

† दिनांक 16-09-2016 के असाधारण गजट के विधायी परिशिष्ट में छपा है।

[11.05] कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-2, 3 में कुछ नहीं है। अब मद संख्या-4।

उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्य-मंत्रणा समिति ने अपनी दिनांक 31 अगस्त, 2016 की बैठक में विधान सभा के दिनांक 01 सितम्बर, 2016 के उपवेशन का कार्यक्रम निम्नलिखित रूप में रखे जाने की सिफारिश की हैं-

1-सदन का उपवेशन दिनांक 01 सितम्बर, 2016 को भी हो।

2-दिनांक 31 अगस्त, 2016 को सदन में पुरःस्थापित निम्नलिखित विधेयकों पर विचार एवं उसके पारण सम्बन्धी मदें दिनांक 01 सितम्बर, 2016 को ली जायं-

(1) उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016

(2) उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2016

नियोजन एवं ऊर्जा (राज्य मंत्री) (श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई')-

मान्यवर, मैं प्रस्ताव करता हूं कि यह सदन कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश से, जिसकी सूचना आज श्री अध्यक्ष द्वारा सदन में दी गयी है, सहमत है।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश विषयक प्रस्ताव, जो माननीय मंत्री द्वारा प्रस्तुत किया गया है, से यह सदन सहमत है ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्माति से स्वीकृत हुआ)

[11.07] मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016†

श्री अध्यक्ष-

मद सं0-5 कुछ नहीं है। मद सं0-5(क)।

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री शारदा प्रताप शुक्ला)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा मांगता हूं।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ।)

---

† दिनांक 16-09-2016 के असाधारण गजट के विधायी परिशिष्ट में छपा है।

श्री शारदा प्रताप शुक्ला-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016 को पुरःस्थापित करता हूं।

मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के विचार एवं पारण की मद आज ही लिये जाने का प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष-

यदि सदन सहमत हो तो आज दिनांक 01 सितम्बर, 2016 को पुरःस्थापित विधेयक पर विचार और उसके पारण सम्बन्धी मदें आज दिनांक 01 सितम्बर, 2016 को ले ली जाएं। मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक आज ही ले लिया जाए क्या इससे सभी मा0 सदस्य सहमत हैं।

(सदन के सभी मा0 सदस्यों ने सहमति प्रदान की।)

उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री शारदा प्रताप शुक्ला)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016 पर विचार किया जाय।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016 पर विचार किया जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

खण्ड-2 से खण्ड-6 तक, खण्ड-1, प्रस्तावना व शीर्षक

उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016

उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 का अग्रतर संशोधन करने के लिये

विधेयक

भारत गणराज्य के सड़सठवें वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है :-

संक्षिप्त नाम

1-यह अधिनियम उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2016 कहा जाएगा।

उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-29 सन् 1974 द्वारा यथासंशोधित और पुनः अधिनियमित राष्ट्रपति अधिनियम संख्या-10 सन् 1973 की धारा-4 का संशोधन

2-उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973, जिसे आगे मूल अधिनियम कहा गया है, की धारा-4 में, उपधारा (1-क) में, खण्ड (छ) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड बढ़ा दिया जायेगा, अर्थात् :-

''(ज) एक विश्वविद्यालय जिसे जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के रूप में जाना जायेगा;''

धारा-50 का संशोधन

3-मूल अधिनियम की धारा-50 में, उपधारा (1-घ) के पश्चात् निम्नलिखित उपधारा बढ़ा दी जायेगी, अर्थात् :-

''(1-ङ) जब तक कि इस धारा के अधीन जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के प्रथम परिनियम न बना लिये जायें, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, वाराणसी के परिनियम, जैसा वे उक्त विश्वविद्यालय की स्थापना के ठीक पूर्व प्रवृत्त थे, ऐसे अनुकूलनों और उपान्तरणों के अधीन इस पर लागू होंगे जैसा राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना द्वारा प्रावधानित किये जायें।''

धारा-52 का संशोधन

4-मूल अधिनियम की धारा-52 में, उपधारा (2-ग) के पश्चात् निम्नलिखित उपधारायें बढ़ा दी जायेंगी, अर्थात् :-

''(2-घ) जब तक कि उपधारा (2) के अधीन जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के प्रथम अध्यादेश न बना लिये जायें, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, वाराणसी के अध्यादेश, जैसा वे उक्त विश्वविद्यालय के स्थापना के ठीक पूर्व प्रवृत्त थे, ऐसे अनुकूलनों और उपान्तरणों के अधीन इस पर लागू होंगे जैसा राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना द्वारा प्रावधानित किये जायें।''

अनुसूची का संशोधन

5-मूल अधिनियम की अनुसूची में,-

(क) क्रम संख्या-10 पर अंकित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रख दी जायेंगी, अर्थात् :-

10-महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

(1) जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया की स्थापना होने तक	बलिया, चन्दौली, मिर्जापुर, संतरविदास नगर, सोनभद्र और वाराणसी जिले।
2-जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया की स्थापना हो जाने पर	चन्दौली, मिर्जापुर, संतरविदास नगर, सोनभद्र और वाराणसी जिले।

(ख) क्रम संख्या-13 के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या बढ़ा दी जायेगी, अर्थात् :-

''14-जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया	जिला बलिया।

कठिनाइयों को दूर किया जाना

6-राज्य सरकार, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया की स्थापना से सम्बन्धित किसी कठिनाई को दूर करने के प्रयोजनार्थ गजट में प्रकाशित आदेश द्वारा यह निदेश दे सकेगी कि मूल अधिनियम के उपबन्ध ऐसी कालावधि में जो आदेश में विनिर्दिष्ट की जाये, ऐसे अनुकूलनों के अधीन रहते हुए, चाहे वे परिष्कार, परिवर्द्धन या लोप के रूप में हों, जिन्हें वह आवश्यक या समीचीन समझे, प्रभावी होंगे :

परन्तु यह कि ऐसा कोई आदेश उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2016 के प्रारम्भ होने के दिनांक से दो वर्ष के पश्चात् नहीं किया जायेगा।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि खण्ड-2 से खण्ड-6 तक, खण्ड-1, प्रस्तावना व शीर्षक इस विधेयक के अंग माने जायं ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

श्री शारदा प्रताप शुक्ला-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016 पारित किया जाय।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016 पारित किया जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ।)

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2016

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियॉ और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2016 पर विचार किया जाय।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2016 पर विचार किया जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

खण्ड-2 से खण्ड-8 तक, खण्ड-1, प्रस्तावना व शीर्षक

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2016

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) अधिनियम, 1980 का अग्रतर संशोधन करने के लिये

विधेयक

भारत गणराज्य के सड़सठवें वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है :-

संक्षिप्त नाम

1-यह अधिनियम उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) अधिनियम, 2016 कहा जाएगा।

उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-23 सन् 1980 की धारा-3 का संशोधन

2-उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) अधिनियम, 1980 में, जिसे आगे मूल अधिनियम कहा गया है, धारा-3 में उपधारा (1) में शब्द ''दस हजार रुपये'' के स्थान पर शब्द ''पच्चीस हजार रुपये'' रख दिये जायेंगे।

धारा-4 का संशोधन

3-मूल अधिनियम की धारा-4 में शब्द ''तीस हजार रुपये'' के स्थान पर शब्द ''पचास हजार रुपये'' रख दिये जायेंगे।

धारा-5 का संशोधन

4-मूल अधिनियम की धारा-5 में,-

(क) उपधारा (1) में,

(एक) शब्द ''तीन लाख पच्चीस हजार रुपये'' के स्थान पर शब्द ''चार लाख पच्चीस हजार रुपये'' रख दिये जायेंगे;

(दो) शब्द ''अपने परिवार के सदस्यों'' के स्थान पर शब्द ''अपने परिवार के सदस्यों या अपने सहवर्तियों'' रख दिये जायेंगे;

(ख) उपधारा (2) में,

(एक) शब्द ''अस्सी हजार रुपये'' के स्थान पर शब्द ''एक लाख रुपये'' रख दिये जायेंगे;

(दो) स्पष्टीकरण में तीसरे परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक बढ़ा दिया जायेगा :

''परन्तु यह भी कि किसी भूतपूर्व सदस्य को उसको दिये जाने वाले रेल कूपनों में से उसके निजी वाहन के लिये पेट्रोल या डीजल हेतु पचास हजार रुपये से अनधिक वार्षिक की धनराशि का नकद भुगतान किया जायेगा'';

(ग) उपधारा (2) के परन्तुक में, खण्ड (ख) में शब्द ''अट्ठारह हजार रुपये'' के स्थान पर शब्द ''पच्चीस हजार रुपये'' रख दिये जायेंगे।

धारा-15 का संशोधन

5-मूल अधिनियम की धारा-15 में,-

(क) उपधारा (1) में शब्द ''एक हजार रुपये'' के स्थान पर शब्द ''दो हजार रुपये'' रख दिये जायेंगे;

(ख) उपधारा (2) में शब्द ''आठ सौ रुपये'' के स्थान पर शब्द ''एक हजार पांच सौ रुपये'' रख दिये जायेंगे।

धारा-15-क का संशोधन

6-मूल अधिनियम की धारा-15-क में शब्द ''पन्द्रह हजार रुपये'' के स्थान पर शब्द ''बीस हजार रुपये'' रख दिये जायेंगे।

धारा-18-क का संशोधन

7-मूल अधिनियम की धारा-18-क में खण्ड (क) में, शब्द ''बीस हजार रुपये'' के स्थान पर शब्द ''तीस हजार रुपये'' रख दिये जायेंगे।

धारा-24 का संशोधन

8-मूल अधिनियम की धारा-24 में,-

(क) उपधारा (1) में शब्द ''दस हजार रुपये'' के स्थान पर शब्द ''पच्चीस हजार रुपये'' रख दिये जायेंगे;

(ख) परन्तुक में शब्द ''एक हजार रुपये'' के स्थान पर शब्द ''दो हजार रुपये'' रख दिये जायेंगे।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि खण्ड-2 से खण्ड-8 तक, खण्ड-1, प्रस्तावना व शीर्षक इस विधेयक के अंग माने जायं ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

श्री मोहम्मद आजम खां-

मान्यवर, आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूं कि उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2016 पारित किया जाय।

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री शारदा प्रताप शुक्ला)-

मान्यवर, आपकी अनुज्ञा से यह प्रस्ताव करता हूं कि मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016 पर विचार किया जाय।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016 पर विचार किया जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ।)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, इसमें विचार तो रखेंगे।

श्री अध्यक्ष-

अब तो विचार वाला प्रस्ताव रखकर पास हो गया उस समय आप खड़े नहीं हुए। बैठिये, अब हो गया।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

नहीं मान्यवर, सुन तो लें। विचार किया जाय का प्रस्ताव हुआ है।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

यह शिक्षा का मामला है इसे सर्वसम्मति से पास करायें।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, मुझे इसमें केवल दो चीजें कहनी हैं। आपने कहा कि इस पर विचार किया जाय।

श्री अध्यक्ष-

थर्ड रीडिंग में बोल दीजिएगा।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, अभी विचार किया जाय का प्रस्ताव आया है।

श्री अध्यक्ष-

खण्डशः विचार के समय बोलिएगा।

*श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, केवल दो चीजें जानना चाहता हूं, एक- इस विश्वविद्यालय की परफार्मेंस आयी नहीं। जो उद्देश्य और कारण इसमें आज आये हैं वह भूतलक्षी प्रभाव से आया है, उद्देश्य और कारण में यह आना चाहिए कि हमारे विश्वविद्यालय की परफारमेन्स अभी तक क्या है। हम एक चीज का जब एक्सपेंशन करने जा रहे हैं तो उसमें कम से कम हमारे सामने अभी तक की परफार्मेंस आनी चाहिए या नहीं आनी चाहिए ? दूसरी बात यह है कि कैम्पस बढ़ाना यूनिवर्सिटी ग्राण्ट कमीशन के नियमों के अनुसार है, इसमें उनके नियम क्या हैं ? इन दो चीजों पर हम जानना चाहते हैं। जब एक चीज विधान सभा के सामने आयी है तो कम से कम इस पर जो जिज्ञासा है उसका जवाब आना चाहिए। इसमें केवल इतना ही है कि यूनिवर्सिटी ग्राण्ट कमीशन के नियमों के अनुसार है या नहीं है और क्या यह कारण और उद्देश्य में यह परफार्मेन्स नहीं आनी चाहिए। विश्वविद्यालय रन कर रहा है, उसमें छात्र पढ़ रहे हैं, विश्वविद्यालय का एक्सपेंशन होने की बात है तो उसके एक्सपेंशन में यह जरूर आना चाहिए कि अभी तक की हमारी परफार्मेन्स क्या है ? साल में कितने बच्चे उसमें आते हैं, कितने बच्चों ने वहां से डिग्री प्राप्त की, उसकी परफार्मेन्स आनी चाहिए। मान्यवर, केवल इतनी सी बात है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

*श्री अनुग्रह नारायण सिंह-

मान्यवर, किसी भी बिल के आने में आज तक परफार्मेन्स कभी नहीं आयी, न उद्देश्य में, न कारण में। मैं सदन से चाहूंगा कि एक माइनॉरिटी विश्वविद्यालय है जो अच्छे ढंग से चल रहा है, सब लोग जानते हैं, मा0 खन्ना जी आप भी जानते हैं और आपके बगल का है। जब सर्वसम्मति से और विधेयकों को पास किया है तो इसको भी करना चाहिए।

श्री मोहम्मद आजम खां-

मान्यवर, जहां तक परफार्मेन्स की बात है हमारे आज के नियमों में 50 एकड़ जमीन में विश्वविद्यालय बनते हैं लेकिन ये लगभग 450 एकड़ में है और इसमें सारी फैकल्टीज हैं, जितनी फैकल्टीज सम्भव हो सकती हैं वे सब हैं। इतना ज्यादा कन्स्ट्रक्शन वर्क वहां हो चुका है कि यह 450 एकड़ जमीन भी काफी नहीं रह गयी है क्योंकि उसी के अंदर एग्रीकलचर कॉलेज भी है, इन्जीनियरिंग कॉलेज है, डिप्लोमा है, डिग्री है, फैकल्टी आफ ह्युमिनिटीज है, फैकल्टी आफ साइन्स है, सारे मैनेजमेंट कोर्सेज हैं, बी0एड0 है, एम0एड0 है, पैरा-मेडिकल कोर्सेज हैं और लास्ट फैकल्टी जो मेडिकल की होती है, मेडिकल का भवन बिल्कुल तैयार खड़ा है और एम0सी0आई0 की टीम एक महीने के बाद सर्वे के लिए आने वाली है। यह तो उसकी परफार्मेन्स है और मात्र 05 वर्ष में यह कामयाबी हासिल की है आप सबके सहयोग से और पहले कह चुका हूं कि 80 प्रतिशत माली सहयोग इसमें आप सबका है। यह विश्वविद्यालय आप ही का है, आप ही के लिये है। यहां न कोई धर्म है न जाति सब मेजोरिटी आफ टीचर्स आर हिन्दूज यह भी आपको बतला दें कि मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल उसके एम0एस0 दे आर आलसो हिन्दूज, हिन्दू भाई हैं और सब मिलकर इसे चलाते हैं। ट्रस्ट है मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट, जो सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के स्कूल चलाता है मात्र 300-350 रुपये उसकी फीस है और उसकी मान्यता यह है कि पूरे देश में मात्र 40 बच्चे साइंस कम्प्टीशन में क्वालिफाई किये पूरे देश में जिनमें से एक बच्ची हमारी रामपुर पब्लिक स्कूल की भी है। (मेजों की थपथपाहट) एक स्कूल हम बना रहे हैं बिल्कुल आपके लामार्ट्स को कॉपी किया है। जो बहुत ही डाउन प्रोडेन क्लास हमारा कहलाता है पत्थर तोड़ने वाले, रिक्शा चलाने वाले उनके लिये सी0बी0एस0ई0 ही की तीसरी शाखा खोली है उसमें फीस मात्र 20 रुपये महीना है, वह चल गया है (मेजों की थपथपाहट) किन्हीं कारणों से बिल्डिंग का उद्घाटन रह गया। माननीय बलराम जी को जाना था अपने किसी वजह से नहीं जा सके उसका उद्घाटन करेंगे। मेडिकल कालेज का उद्घाटन मुख्य मंत्री जी करेंगे इंशाअल्लाह, तो आप सब उसमें सादर आमंत्रित रहेंगे। तो यह एक अच्छी बात है, आप सब मिलकर सहयोग इसमें करेंगे तो अच्छा लगेगा। शिक्षा के इस मंदिर को, इस बिल को सब मिलकर यूनेनीमेसली पास करायें तो मैं उसके लिये बहुत शुक्रिया अदा करूंगा।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक, 2016 पर विचार किया जाय।

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

(मेजों की थपथपाहट)

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

खण्ड-2 से खण्ड-3 तक, खण्ड-1 प्रस्तावना और शीर्षक

मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016

मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005 का संशोधन करने के लिये

विधेयक

भारत गणराज्य के सड़सठवें वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है :-

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

1-(1) यह अधिनियम मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2016 कहा जाएगा।

(2) यह 5 सितम्बर, 2006 को प्रवृत्त हुआ समझा जायेगा।

धारा-3 का संशोधन

2-मूल अधिनियम की धारा-3 में, उपधारा (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपधाराएं रख दी जायेंगी, अर्थात् :-

''(1) रामपुर, उत्तर प्रदेश में ट्रस्ट द्वारा राज्य के अन्य जिलों/नगरों में संघटक इकाई/परिसर सहित मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के नाम से एक विश्वविद्यालय की स्थापना की जायेगी।

(1-क) मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2016 के प्रारम्भ होने के दिनांक से राज्य के भीतर ट्रस्ट द्वारा स्थापित एवं प्रशासित संस्थायें और परिसर, मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के संघटक इकाई/परिसर समझे जायेंगे।''

धारा-7 का संशोधन

3-मूल अधिनियम की धारा-7 में, खण्ड (ञ) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड बढ़ा दिया जायेगा, अर्थात् :-

''(ञञ) विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को प्राप्त करने के प्रयोजनार्थ संघटक इकाई/परिसरों, ऑफ कैम्पसों, आफशोर कैम्पसों, वर्चुअल कैम्पसों आदि की स्थापना करना,''

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि खण्ड-2 से खण्ड-3 तक, खण्ड 1, प्रस्तावना और शीर्षक इस विधेयक के अंग माने जायं।

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

उच्च शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री शारदा प्रताप शुक्ला-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक 2016 पारित किया जाय।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय, संशोधन विधेयक, 2016 पारित किया जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

[11.18] आज तक चैनल द्वारा दिखाये जा रहे स्टिंग आपरेशन में मा0 सदस्य (श्री कपिल देव अग्रवाल) को लांछित किये जाने का प्रकरण

श्री अध्यक्ष-

माननीय मुख्य मंत्री जी, धन्यवाद दे दीजिये अब चलने की बारी है।

(एक सदस्य के बोलने के लिये खड़े होने पर)

अब नहीं अब खत्म।

डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल-

मान्यवर, माननीय सदस्य की बात तो सुन लीजिये। कुछ इनका अपना है।

श्री कपिल देव अग्रवाल-

माननीय अध्यक्ष जी, अभी डेढ़ माह पूर्व आजतक चैनल ने हमारे ऊपर व्यक्तिगत लांछन लगाते हुए एक स्टिंग ऑपरेशन दिखाया। पूरे देश के लोगों ने उसको देखा। अनावश्यक रूप से एक इन्टरव्यू दिखा करके, उसमें मुजफ्फरनगर में लोग दंगा करवाना चाहते हैं यह आरोप लगा करके और बिल्कुल दुकानें सज गई हैं उसमें समाजवादी पार्टी के भी दृश्य को दिखाया गया और अन्य एक पार्टी के व्यक्ति को दिखाया गया और लगातार आजतक चैनल ने दो दिन तक उसको दिखाया उससे मेरी व्यक्तिगत गरिमा को, हमारी पार्टी की गरिमा को बहुत ठेस लगी है। मैं आपसे चाहूंगा आप पीठ से सर्वोच्चाधिकारी हैं कि उसने जिस तरह से लांछन लगाया है उसके ऊपर आवश्यक कार्यवाही करते हुए प्रभावी कार्यवाही की जाय यह मेरा निवेदन है। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

आप नियम-63 में इसकी व्यवस्था है। जितने चैनल वाले आप लोगों के खिलाफ दिखा रहे हैं और आपका विशेषाधिकार हनन कर रहे हैं तो आप नियम-63 में दे देते तो हम फिर विशेषाधिकार समिति को सुपुर्द करके कुछ देखते।

डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल-

मान्यवर, कल यह बात यहां से आई फिर वहां से आई अब यहां से आ रही है आखिर कहीं कुछ तो तय होगा।

श्री अध्यक्ष-

वह नियम-63 में ही इसमें आप देंगें तो उनको नोटिस देकर तलब किया जायेगा।

[11.21] प्रमुख कर अधीक्षक, नगर विकास श्री पी0 के0 मिश्र, इलाहाबाद को तत्काल हटाने की मांग

श्री अनुग्रह नारायण सिंह-

मान्यवर, इसी कार्यवाही के संबंध में मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है कि आज उप लोकायुक्त नगर विकास के सम्बन्ध में यहां पर एक रिपोर्ट आई है। जिसमें श्री पी0के0 मिश्रा..

श्री अध्यक्ष-

यह रिपोर्ट आज रखी गई है इसमें बाद में पढ़िएगा नियम सुन लीजिए इसमें चर्चा की मांग करिए इसमें चर्चा हो सकती है। रिपोर्ट रखी गई इस पर आप तुरन्त बात नहीं कर सकते हैं।

श्री अनुग्रह नारायण सिंह-

आपने निर्देश दिए थे कि कहना नहीं है इसलिए मैंने उस समय नहीं कहा माननीय नगर विकास मंत्री जी का विभाग है इस समय जो प्रमुख कर अधीक्षक है इलाहाबाद का पी0के0 मिश्रा, उसके खिलाफ लोकायुक्त की जांच हुई उसमें उसके खिलाफ संस्तुति हुई दंड की, लोक सेवा आयोग ने उसको एप्रूव कर दिया उसके खिलाफ अगर आप और कोई काम न करें तो कम से कम उसको वहां से हटा दीजिए वहां तो उसको नहीं रहना चाहिए जहां पर उसके खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप है।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है बैठिए। (शोर)

[11.22] सहारनपुर में कानून-व्यवस्था की बदहाल स्थिति एवं स्कूली बच्चों के अपहरण का प्रकरण

श्री राजीव गुम्बर-

मान्यवर, सहारनपुर में कानून-व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब हो गई है स्कूल जाते समय लड़की का आज अपहरण हो गया और स्थिति यह है पूरे स्कूल से मां-बाप बच्चों को लेकर घर चले गए लोग घरों में छतों पर पहरा देकर रह रहे हैं कल दो लड़कियों का अपहरण हुआ एक लड़की का आज स्कूल जाते समय अपहरण हो गया और पुलिस विरोध करने पर परिवार का उत्पीड़न कर रही है।

श्री अध्यक्ष-

बैठिए अब।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

मान्यवर, बहुत अच्छा जिला है सहारनपुर, मैं रात 12 बजे सहारनपुर पहुंचा। बहुत शान्ति थी, इतनी रात में शान्ति थी, सारे मोहल्लों में गया, दो ढाई घंटे तक सहारनपुर के मोहल्लों में घूमता रहा, दावत खाई आपके यहां, फिर देखिए आ भी गया सदन में। बहुत अच्छे हालात हैं बहुत प्यार मोहब्बत बना हुआ है इतना खराब मत करिए।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

क्षेत्रीय विधायक हैं माननीय मंत्री जी थोड़ी देर के लिए गये होंगे कोई जरूरी नहीं कि हर बात उनके संज्ञान में लाई जाएगी।

श्री मोहम्मद आजम खां-

मैं बता रहा हूं मान्यवर, इसे दिखवाएंगे, इसे अभी दिखवाते हैं।

[11.23] आज तक चैनल द्वारा दिखाये जा रहे स्टिंग आपरेशन में मा0 सदस्य (श्री कपिल देव अग्रवाल) को लांछित किये जाने का प्रकरण (क्रमागत)

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

दूसरी बात माननीय सदस्य ने जो चैनल के बारे में बात रखी है उसमें हमारी पार्टी के भी एक एम0एल0ए0 को दिखाया गया है लेकिन मैं ढूंढ रहा हूं उस एम0एल0ए0 को, पूरे देश में उस शक्ल का एम0एल0ए0 है ही नहीं, अब उस शक्ल का व्यक्ति जमीन पर है भी या नहीं यह नहीं पता, लेकिन चूंकि हमारी पार्टी का एम0एल0ए0 दिखाया जो नीचे पट्टी चल रही थी उसमें उनका नाम और विधायक उत्तर प्रदेश लिखा था लेकिन जो महानुभाव जो समाज को आईना दिखाते हैं जो देश को रास्ता दिखाते हैं वह जो बोल रहे थे वह यह था कि यह जिलाध्यक्ष हैं लिखा हुआ चल रहा था कि यह विधायक हैं और जो बोला जा रहा था यह जिलाध्यक्ष हैं जब इतने बड़े चैनल की यह क्रेडिबिलिटी रह गई है तो पता नहीं क्या हाल होगा क्या हश्र होगा। इसलिए मैं कहता हूं कि किसी दिन यह लोग इतना बड़ा घाटा कर देंगे कि उसकी भरपाई संभव नहीं है। दूसरा मान्यवर, आज जो यह सदन उठने वाला आया है तो मान्यवर, अभी एक बजट सत्र और होगा। अभी नहीं जा रहे हैं हम लोग। इतनी जल्दी ना करें।

[11.24] सदन संचालन में सहयोग हेतु सभी सदस्यों के प्रति आभार प्रदर्शन

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद तो दे दें।

मुख्य मंत्री (श्री अखिलेश यादव)-

आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारे सामने नेता प्रतिपक्ष, नेता भारतीय जनता पार्टी, नेता आदरणीय दलवीर जी, प्रदीप माथुर जी और सभी सदस्य, हालांकि सत्र बहुत लम्बे दिनों का नहीं था हमारे बहुत से माननीय सदस्य इस बात को रखते रहे कि ज्यादा से ज्यादा सदन चले। अध्यक्ष महोदय हमारी सरकार की कोशिश रही कि ज्यादा से ज्यादा सत्र हों ज्यादा से ज्यादा बैठक हों ताकि ज्यादा से ज्यादा सदस्य अपनी बातें सदन में रख सकें। बहुत से सदस्यों ने बहुत सी बातें रखी हैं अलग-अलग विषयों पर, और जब कभी भी कोई महत्वपूर्ण बात आई है घटना हुई है उसमें भी सदस्यों को बोलने का मौका मिला है मैं अध्यक्ष जी आपका धन्यवाद देता हूं कि आपने कोशिश करके सभी सदस्यों को मौका दिया है। जहां सरकार को अपना पक्ष रखने का मौका मिला वहीं विपक्ष के सभी सदस्यों को आपने बारी-बारी अपना पक्ष रखने का मौका दिया है। क्योंकि हमारे बगल में माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी बैठे हैं उन्होंने कहा कि हम लोग अभी जाने वाले नहीं हैं। अध्यक्ष जी मैंने कई बार कहा और जब भी हमें मौका मिलता है तो मैं इस बात को जरूर कहता हूं वह बात तो मैं कहता ही हूं कि जिस रूप में यह सदन बैठा है उसी रूप में फिर लौट आए। मौर्या जी ने केवल अभी दल बदला है उन्होंने इस्तीफा इसलिए दे दिया क्योंकि वह जगह इन्होंने ले ली और वह आपको फेस कैसे करते। क्योंकि अभी लायल्टीज थोड़ी बहुत बदली हैं लोकतंत्र में ऐसा कई बार होता है क्योंकि हम सदस्य बनना चाहते हैं कई बार राजनैतिक दल सोचता है कि सरकार कैसे बने जो अपनी लायल्टी बदल रहे हैं उनका तो

केवल इतना रहता है कि हम सदन में जीतकर आ जाएं। लेकिन हम समाजवादी लोग जितने यहां पर बैठे हैं हम जीतना तो चाहते ही चाहते हैं लेकिन हम सरकार में कैसे लौटें यह भी सोच रहे हैं। मैंने हर बार कहा कि छठवां बजट भी मैं ही पेश करूंगा जो मेट्रो बन रही है हालांकि खुदाई अब इधर से भी शुरू हो जाएगी मैंने मुख्य मंत्री का नया कार्यालय भी बनवाया है एक दिन इतिहास निकला था कि कौन-कौन से मुख्य मंत्री कहां-कहां बैठे। कुछ मुख्य मंत्री इसी सदन में यहां आफिस था वहां बैठा करते थे। फिर मुख्य मंत्री को नया स्थान मिल गया। शास्त्री भवन में। वहां भी मुख्य मंत्री बैठे हैं।

लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता ने समाजवादी सरकार को पूरा बहुमत दिया तो, हमें जो मौका मिला तो हमने एक नया स्थान भी बना दिया। विधान सभा के सामने, जो भी मुख्य मंत्री है वह वहीं बैठेगा, जो चीज हमने बनाई हो, मान लो, इतनी सुन्दर, शानदार और अच्छी बनाई हो; हूबहू विधान सभा की कोशिश की है कि उसका रिफ्लेक्सन उधर दिखाई दे उस विधान सभा के रिफ्लेशन वाले आफिस को हम कैसे छोड़ दें। जो हमने खुद बनाई हो उसको कैसे छोड़ देंगे। इसलिए क्योंकि सरकार और समाजवादी लोगों की बहुत बड़ी सोच है। कम से कम, हम समाजवादी लोग जब जनता के बीच जाएंगे, हालांकि अभी बहुत समय है हमारे लिए, लेकिन मैं कम से कम यह कह सकूंगा कि जो सपना हम लोगों ने देखा, समाजवादियों ने देखा, उसे जमीन पर उतारा है। मुझे वह समय भी याद है जब बातें हमने कहीं। एक उद्योगपति हमसे मिलने आए, बहुत पहले जब मैं सरकार में नहीं था तो मैंने कहा कि यह जो सड़क बना रहे हो, यह केवल आगरा तक नहीं रुकेगी और मैं उस समय कहता था यह आगरा तक नहीं रुकेगी। यह लखनऊ तक भी जाएगी हम समाजवादियों ने सपना देखा कि यह सड़क लखनऊ तक पहुंचनी चाहिए। जब लखनऊ तक बनाने में हम लोग कामयाब हो गए तो उससे बड़ा सपना देख लिया कि यही सड़क गाजीपुर और बलिया तक पहुंचेगी। इसी तरह से लैपटाप का सपना हम लोगों ने देखा समाजवादियों ने कि जो नौजवान हैं, जो सपने देखते हैं जो बड़ी चीज करना चाहते हैं, जो मेहनत करके आगे बढ़ना चाहते हैं कम से कम, उन्हें तरक्की और खुशहाली का जो रास्ता है जो टेक्नालाजी के साथ है, वह भी उन्हें मिले तो लैपटाप की एक बड़ी योजना लेकर हम आए। हालांकि लैपटाप के लिए भी बहुत बड़ी बड़ी कहानियां हैं। मुझे याद है कि लैपटाप के पक्ष में बहुत सारे लोग नहीं थे। हमारे कुछ समाजवादी लोग पक्ष में नहीं थे। विपक्ष के लोग किस रूप में ले रहे थे, मुझे नहीं पता और अध्यक्ष महोदय जब मैं बांटना चाहता था तो, मैं चाहता था कि हमारे बहुत सारे लोग शामिल हों आदरणीय संसदीय कार्य मंत्री जी, जाम में रह गए वह नहीं पहुंच सके उसमें मैं चाहता था कि नेता जी भी आ जाएं नेता जी भी नहीं आए तो मैंने कहा कि लैपटाप मैं बांटने जा रहा हूं कम से कम कोई एक और अट्रेक्शन हो तो डिम्पल सांसद थीं मैंने उन्हें बुला लिया क्योंकि जब लैपटाप बंटा नहीं था लोग किस रूप में उसको लेंगे हमारी स्कीम सक्सेसफुल होगी कि नहीं होगी लेकिन कम से कम मैं कह सकता हूं कि जब पहली बार लैपटाप बांटा उसके बाद जो उसकी तारीफ हुई न केवल हमारे दल के लोगों ने बल्कि दूसरे दलों के माननीय सदस्यों ने उसको बांटने का काम शुरू किया और उसमें सहयोग मिला और मैं कह सकता हूं कि उत्तर प्रदेश ने ऐतिहासिक फैसला लेकर दुनियां में इतने लैपटाप कहीं नहीं बांटे गए जो हमने बांटकर दिखा दिए और ऐसा लैपटॉप बांटा जो अभी तक खराब नहीं हुआ। लोगों ने कहा बिकने लगे हैं, लोगों ने कहा खराब हो गए हैं, लोगों ने कहा कि तस्वीर बदल देंगे। एक चैनल ने कहा कि यह बिक रहे हैं, मैंने उस चैनल के लोगों से कहा

कि भाई मुझे एक लैपटॉप लाकर दिखा दो। उन्होंने कहा कि लैपटॉप बिक रहे हैं, बहुत बड़ा चैनल है, उसने कहा कि दो सौ रुपये में उसकी स्क्रीन बदली जा रही है। वह चैनल वाले बहुत नासमझ थे, समाजवादियों को नहीं समझ पाये। जो लैपटॉप हमने दिया, उसकी न स्क्रीन बदल सकते थे, अगर हमारा और नेता जी का नाम हटाते भी तो आपका लैपटॉप खत्म हो जाता, ऐसा इन्तजाम किया था। हालांकि मेट्रो हमारे घोषणा-पत्र में नहीं थी, उसके बावजूद भी हम लोगों ने उसको पूरा करने का फैसला लिया और केवल एक जिले में नहीं, आने वाले समय में कानपुर में कैसे शुरू हो। हमारे माननीय सदस्य, श्यामदेव राय चौधरी साहब आज नहीं हैं, वह बनारस में धरने पर बैठ गए थे कि बिजली आनी चाहिए और मिलनी चाहिए क्योंकि प्रधानमंत्री जी का संसदीय क्षेत्र है। उन्होंने इस बात को स्वीकार भी किया था तो मैंने उनको बुलाकर बात की और कहा कि अगर आप धरने पर बैठे हैं, सबसे सीनियर सदस्य हैं, आप जो मांग रहे हैं, मैं पूरा करूंगा, उस दिन हम लोगों ने 24 घण्टे बिजली की और आज भी 24 घण्टे वहां बिजली है। लेकिन जो सहयोग हमें केन्द्र सरकार से मिलना चाहिए था क्योंकि भारतीय जनता पार्टी के नेता लोग बैठे हैं, माननीय सदस्य, सब लोग हैं, वह कह सकते हैं, हमारा जो कोटा बढ़ना चाहिए था, वह कोटा नहीं बढ़ाया। हम अपने संसाधन से, अपने इन्तजाम से बिजली दे रहे हैं।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

अध्यक्ष जी, माननीय मुख्य मंत्री जी को इस बात को बताना चाहिए कि केन्द्रीय करों का जो 32 परसेण्ट हिस्सा था, उसे बढ़ाकर माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने 42 परसेण्ट कर दिया। मान्यवर, एक बार माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहिए।

श्री अखिलेश यादव-

अच्छा ठीक है। माननीय अध्यक्ष महोदय, चूंकि भारतीय जनता पार्टी के लोग अधूरी बात कहते हैं। अगर मैं धन्यवाद दूं और जो घाटा किया है, उसके लिए आप क्या करोगे ? फाइनेंस कमीशन यह कहता है कि पैसा ज्यादा मिलना चाहिए, जिस बारे में माननीय सदस्य बात कर रहे हैं, इसके साथ-साथ आपने ऐसी नीतियां बना दिया, जितना आपने दिया नहीं, उससे ज्यादा छीन लिया।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

30 परसेण्ट हमारा काट दिया।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, इसीलिए मैंने कहा कि जो सपने हम लोग देखते हैं और जहां से हमने बात शुरू की, हमने सड़क का सपना देखा, जनता के बीच में कहा, लैपटॉप का सपना देखा जनता को कहा या मैट्रो की बात कही और जनता को बताया तो कम से कम हम उन सपनों पर खरे उतरे हैं और भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने जो सपना दिखाया, वह आज तक पूरा नहीं किया। आपने अच्छे दिन के बारे में कहा, आपने जो एकाउण्ट में पैसा भेजने की बात कही, हम तमाम सपनों के बारे में नहीं कहेंगे, केवल दो सपनों के बारे में कहेंगे, कालाधन जो आना था एकाउण्ट में तो समाजवादियों ने जो सपने दिखाये, वह पूरे किए, लेकिन इन्होंने जो सपने दिखाए वह आज तक पूरे नहीं किए।

(कुछ सदस्यों के यह कहने पर कि प्रधानमंत्री ने जो 15-15 लाख रूपये सभी के खातों में डालने की बात कही थी, वह कहां गए)

श्री रघुनन्दन सिंह भदौरिया-

माननीय मुख्य मंत्री जी, हमारे प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी जी ने गरीबों के खाते में पैसा डलवा दिया है और प्रधानों के खातों में भी पैसा भेज दिया है। प्रधानमंत्री जी ऐसा काम करेंगे कि विपक्ष देखता रहा जायेगा।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय सदस्य, भदौरिया जी जो हैं, इन्हें इसलिए भारतीय जनता पार्टी के लोग रखेंगे कि यह कम से कम चिल्लाने में और जो बात सही नहीं है, उसे कहने में सफल तो रहेंगे। तो अध्यक्ष महोदय, समाजवादियों ने जो बातें जनता की बीच में कहीं हैं, कम से कम उनको पूरा किया है और आज पूरे देश में इतने उत्तर प्रदेश को कभी एवार्ड नहीं मिले होंगे, जितने समाजवादी सरकार में अलग-अलग क्षेत्रों में हमें मिले हैं। भ्रष्टाचार पर कैसे नियन्त्रण हो, मैं स्वीकार करता हूं किन्तु जो दुःख आदरणीय राम गोविन्द चौधरी जी को था कि अभी भी बहुत सारे सवाल हैं जिन्हें हम एड्रेस नहीं कर पाये हैं। भ्रष्टाचार का सवाल जहां आया, कम से कम समाजवादी लोगों ने वह योजना चलायी जिसमें कोई उंगली नहीं उठा सकता। मैं यह स्वीकार करता हूं, सदन के अन्दर, सभी माननीय सदस्यों के सामने कि समाजवादी पेन्शन बनाने में तो हो सकता है, जो पात्र है, अपात्र है, उसके साथ तो हेराफेरी हो सकती है लेकिन समाजवादी पेन्शन एक बार बन जाए, उसके बाद कोई गड़बड़ी नहीं हो सकती, कम से कम समाजवादी सरकार ने यह निश्चित किया है, सीधे एकाउण्ट में पैसा पहुंचा है। कन्या विद्या धन का सवाल उठता है। इसके लिए आय प्रमाण-पत्र बनाने को लेकर कुछ शिकायतों, बुराईयों के सवाल उठते थे तो कम से कम समाजवादी लोगों ने व्यवस्था की कि जिन बेटियों के नम्बर अच्छे हैं, जो मेधावी बेटियां हैं उनको हम कन्या विद्या धन देने का काम करेंगे। कहीं एक भी उंगली नहीं उठ रही है। अध्यक्ष महोदय, अगर हम टेक्नोलाजी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करें, क्योंकि अब सुविधायें बढ़ रही हैं चीजें अब बदल रही हैं तो शायद बहुत हद तक हम भ्रष्टाचार पर नियंत्रण लगा सकते हैं। इसलिये हमारे नेता प्रतिपक्ष नये हैं, हालांकि सदस्य पुराने हैं जिस दल का यह इस सदन में नेतृत्व कर रहे हैं, हालांकि नेता प्रतिपक्ष होने के नाते सभी का नेतृत्व कर रहे हैं लेकिन बहुजन समाज पार्टी के हैं आप, तो आपकी पार्टी के बारे में कुछ नहीं कहेंगे। इसलिये नहीं कहेंगे क्योंकि जनता बहुत कुछ जानती है आपके बारे में। एक बार मैंने पहले भी कहा था आपसे कि आप चुनाव पांच साल पहले नहीं जीते थे, आप चुनाव दस साल पहले जीते थे, आप वर्ष 2006 के बाद जीते थे तब से लेकर अब दस साल हो गये हैं, दस साल में बहुत कुछ परिवर्तन हुआ है। बहुत कुछ चीजें बदली हैं, आज कम से कम जो बात आपने कही थी वाट्स एप की तो लोग जानते हैं कि वाट्स एप के माध्यम से आज कोई चीज कोई छिपा नहीं सकता है और फिर चैनल ऐसे हो, एक शिकायत माननीय सदस्य भारतीय जनता पार्टी ने की और एक शिकायत हमारे यहां से की गई और जब चैनल का जमाना हो तो कोई चीजें नहीं छिपा सकता है। मैं कल एक कार्यक्रम में गया था, तो फोर-जी का जमाना हो, तो आप चलते-चलते किसी का भी वीडियो लाइव कर सकते हो। वर्ष 2006-2007 में जब आप लोग

जीते थे तो परिवर्तन दूसरी तरह का था और आज प्रदेश और देश आगे बढ़ गया है। देश के लोग और प्रदेश के लोग आगे बढ़ रहे हैं। यह सही है कि जाति, धर्म चलता है, और लोकतंत्र बिना इसको छोड़े नहीं निकल सकता आगे, हमारे समाज की तमाम जो बुराईयां हैं, समाज का जो हाव-भाव है वह रहेगा, लेकिन कम से कम ऐसे लोग भी हैं, जो चाहते हैं कि प्रदेश आगे बढ़े, खुशहाली और तरक्की के रास्ते पर जाये और वह जाति, धर्म से ऊपर हटकर वोट डालेंगे। हमारे बहुत सारे सदस्य कहते हैं कि यह चुनाव विकास पर नहीं हो सकता, लेकिन मैं उनसे पूछता हूं कि आप सब समीकरण बनाने के बाद क्या कहते हो कि हम भी विकास करेंगे, तो मैं इस सदन के माध्यम से जनता से कहूंगा कि कम से कम उस सरकार को चुनो, उन लोगों को सदन में भेजो जिनकी कम से कम प्राथमिकता विकास की हो, फिर चाहे हमें समीकरण बनाने पड़े, चाहे जो करना पड़े। आप सत्ता का रास्ता ढूंढ रहे हो जाति और समीकरण में आपने भाईचारा कमेटियां बनाई थी, मैं पूछना चाहता हूं कि भाई चारा कमेटियों को क्या हो गया। अब कोई नहीं पूछ रहा है भाईचारा कमेटी को सब खो गई हैं भाईचारा कमेटियां।

आपको सब छोड़ गई, आपकी भाईचारा कमेटियां कुछ उधर चली गई और कुछ हमारे संग आ गई। इसलिये इस धन्यवाद के समय में मैं माननीय नेता प्रतिपक्ष को धन्यवाद दूंगा कि उन्होंने जो आवाज बुलन्द की थी उस आवाज को डाऊन करके यहां पर रखा इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं सभी माननीय सदस्यों का धन्यवाद दूँगा जिन्होंने बहस में सहयोग लिया और सरकार का सहयोग किया तथा समय-समय पर जो सवाल उठाये जिससे कम से कम सरकार की जानकारी में बात आई कि हां ऐसा भी हो सकता है या ऐसी घटना हुई है। आपने चित्रकूट की घटना बताई कि 6 और 7 बजे रात को हुआ, आपने और भी सवाल उठाये। कम से कम सरकार के सामने सच्चाई आई, कुछ बातें आई सामने, लेकिन जिस रूप में थी वह रूप दूसरा था, घटना दूसरी तरह की है, क्योंकि जो घटना अखबारों में लिखी जाती है और जो सूचना मिलती है अमूमन वह बात नहीं होती है। कई बार उसके पीछे कहानी दूसरी निकलती है। बुलन्दशहर का मामला उठाया आपने, हमारी सरकार को घेरा लेकिन दूसरे लोग उसमें भी राजनीति कर रहे थे। देश में जो घटनाये हुई हैं, आप कल्पना नहीं कर सकते कि किस-किस तरह की घटनायें हुई हैं। हम सबको मिलकर कम से कम उन बुराईयों को दूर करना चाहिये। चाहे वो राजस्थान हो, हरियाणा हो कैसी-कैसी घटनायें हुई हैं। इसलिये जब देश बड़ा हो रहा है और परिवर्तन हो रहा है और दुनिया के सामने हमें खड़ा होना है। देश को दुनियां देख रही है। मैं देख रहा था कि इन्वेस्टमेण्ट के लिए लोग आ रहे हैं अभी भी। जब सरकार के छह महीने बचे हो तब इन्वेस्टमेण्ट के लिए लोग आ रहे हों, तो वह इसलिये आ रहे हैं कि उन्हें पता है कि समाजवादी पार्टी पूरे बहुमत के साथ फिर आ रही है। वरना इन्वेस्टमेण्ट के लिए आखिरी वक्त में कोई नहीं आता। मैं भरोसा दिला सकता हूं कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा में जिस तरीके से मोबाईल की कंपनियां आ रही हैं, देश का हब बनने जा रहा है वो इतना मोबाइल कहीं नहीं बन रहा होगा जितना कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा में बनेगा। यह कम से कम समाजवादी लोगों की बड़ी उपलब्धि है। इस मौके पर मा0 अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद देता हूं। सभी मा0 सदस्यों का धन्यवाद देता हूं और हमारे मा0 सदस्य और मंत्री लोगों का भी बहुत-बहुत धन्यवाद दूंगा कि सरकार चलाने में और सरकार की प्राथमिकताओं को आगे लाने के लिए आपने समय-समय पर बहुत सहयोग किया और मैं मानता हूं कि आने वाले समय में हम लोगों को मौका मिले। क्योंकि यह आखिरी सदन नहीं है। इसके बाद और

सदन में हम लोग बैठेंगे। तब तक हो सकता है कि और बहुत सारे अदला-बदली हो जाये। कुछ लोग इधर आ जायें कुछ उधर चले जायें। वह गिनती बाद की बात होगी। लेकिन मैं सदस्यों को बहुत शुभकामनायें देता हूं। क्योंकि हमारा और आपका बहुत कठिन रास्ता है। अभी हमें तो चुनकर नहीं आना है। हमें तो अगर चुनेंगे तो विधायक चुनेंगे। अभी तो आप सबको चुनकर आना है और मैंने कल भी कहा कि यह राजनीति का बहुत कठिन रास्ता है। विधान सभा में क्या समीकरण होगा, किसका सामना करना पड़ेगा। और कैसे-कैसे चुनाव होता है। किस रूप में चीजें सामने आती हैं। अभी बहुत कुछ है। अभी तो हमारे पास सरकार के ही लगभग 06 महीने हैं। मौसम कब अच्छा आएगा। यह तय करेंगे केन्द्र वाले, क्योंकि कुछ समय बाद हमारे हाथ में तो कुछ नहीं बचेगा। यह तो केन्द्र सरकार तय करेगी, आयोग तय करेगा। केन्द्र सरकार तो नहीं, यह तो आयोग तय करेगा कि तारीखें कब आयेंगी। लेकिन हमें उम्मीद है कि मौसम अच्छा हो तभी चुनाव हों। जिससे कि अपने विचार रखने में हमें थोड़ा अच्छा मौका मिले। इन्हीं शब्दों के साथ माननीय अध्यक्ष जी आपका और सभी सदस्यों का बहुत-बहुत धन्यवाद।

नेता, विरोधी दल (श्री गया चरण दिनकर)-

माननीय अध्यक्ष जी, लोकतंत्र में सबसे अहम भूमिका व्यवस्थापिका की है और इसका सीधा तात्पर्य यह है कि जनता ही देश की शासक होगी। जनता द्वारा चुने गये प्रतिनिधि ही तमाम जरूरतों को पूरा करने के लिए कानून बनाने का काम करते हैं। जिसका पालन ब्यूरोक्रेसी कार्यपालिका करती है। और चाहे राज्य की सरकार हो चाहे केंद्र सरकार हो जो जनहितों की रक्षा के लिए और देश की तरक्की के लिए, प्रदेश की तरक्की के लिए जो कानून बनाये जाते हैं। यदि कोई गलत ढंग से डिफाइन करता है, क्रास करता है तो न्यायपालिका को अधिकार है कि वह समीक्षा करके जो संवैधानिक मूल्य हैं और रूल्स एवं रेगुलेशन हैं वह कायम रहें। उसके विपरीत काम न होने पाये। भारत का संविधान कहता है कि आजाद भारत में प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा का ख्याल रखा जायेगा। आजाद भारत में देश के किसी भी नागरिक के साथ जाति, धर्म, रूप, रंग, भाषा, लिंग और क्षेत्र के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। कभी-कभी लोग भूल कर बैठते हैं कि इस देश के संविधान में कमी है। हमारे एक साथी कह रहे थे कि एक दारोगा एक कातिल को निर्दोष साबित कर देता है और एक निर्दोष व्यक्ति को हवालात भेज देता है। यह संविधान नहीं है। कोई ऐसा कानून नहीं बना कि किसी बेगुनाह को मारा जाये, कानून रिश्वत लेने के लिए नहीं बना। कानून किसी को बेइज्जत करने के लिए नहीं बना। लेकिन फिर भी हो रहा है, लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना के लिए अनवरत इस देश के बुद्धिजीवी, इस देश के समाजसेवी, इस देश के राजनीतिज्ञ अनवरत प्रयास कर रहे हैं, लेकिन जो भारत के हालात हैं, उन तमाम कमियों की वजह से भी हमारी मान्यतायें धूमिल हो रही हैं। जहां देश के संविधान प्रवृत्त होने की तिथि से इस देश से पाखण्ड, अंधविश्वास और कुरीतियों का खात्मा हो जाना चाहिए, आज भी विश्व के अद्वितीय संविधान, विश्व के सबसे विशालतम लोकतांत्रिक देश में आज भी पाखण्ड की खेतियां हो रही हैं, आज भी अंधविश्वास हावी है, आज भी कुरीतियां हावी हैं और इसीलिए सेलेक्टेड और इलेक्टेड, इलेक्टेड व्यक्ति अर्थात् जन प्रतिनिधि के सामने तमाम समस्यायें होती हैं और उन तमाम मुसीबतों का सामना करके, जातिवाद का सामना करके, तमाम अव्यवस्थाओं का सामना करके और वह जो नैतिक मूल्यों के विपरीत है, उन तमाम विपत्तियों का सामना करके जनता के बीच से चुन कर के

आना पड़ता है। जितनी आसानी से जन प्रतिनिधि से हर आदमी अपनी बात रख सकता है, उतनी आसानी से एक लेखपाल के सामने भी नहीं रख सकता है, इसलिए हमें उन तमाम घिसी-पिटी चीजों के बजाय, अभी मा0 मुख्य मंत्री जी बोल रहे थे कि तकनीक के क्षेत्र में भी हम आगे बढ़े हैं और यह सही है, दूसरी बात आपने कही थी कि आपने भाई-चारा कमेटियां बनाई थीं, उन भाई-चारा कमेटियों का क्या हुआ, वह कहां चला गया।

कुछ लोग हमारे यहां चले आये, व्यक्ति का नाम भाई-चारा नहीं होता है। जापान का इतिहास हमारे सामने है, हम लोग भारत के गौरवशाली इतिहास की तमाम कहानियां बताते हैं, लेकिन जापान ने 1945 से शुरुआत की और विश्व की बुलन्दियों पर पहुंच गया, क्यों पहुंच गया, हम विकास की बात करते हैं, विकास का मतलब सड़क, बिजली से नहीं होता है, विकास का मतलब यह अर्थ सीमित है। जापान ने सबसे पहले इन्सानियत के रिश्ते को मजबूत किया यानी समतामूलक समाज की तरफ ध्यान दिया और फिर हमारी जो बुनियादी जरूरते हैं, जो बटे हुए लोग हैं, उनमें जब आपस में भाई-चारा पैदा हुआ, पहले सामाजिक सामन्जस्य स्थापित हुआ और इसके बाद फिर तमाम जो हमारी बुनियादी जरूरते हैं, उनकी तरफ ध्यान दिया गया। तकनीक के क्षेत्र में जापान सबसे बुलन्दियों पर है। आज हमारे यहां बेहतर पढ़ा-लिखा आदमी भी एन्टी वैज्ञानिक बात करता है जो साइंस्टिफिक तथ्य हैं, जो तर्क की कसौटी पर खरा उतरने वाली बातें हैं, उनके विपरीत आज भी अच्छे पढ़े-लिखे लोग झुक जाते हैं और उनकी तरफ ध्यान दिया जाता है। स्वामी प्रसाद मौर्य एक व्यक्ति हैं, दल ने उन्हें जिम्मेदारी दी थी, दल नहीं चला गया, व्यक्ति चला गया और अगर ध्यान दें तो बहुत से ऐसे लोग रहे होंगे, जो इधर बैठे हुए हैं, जरूरी नहीं है कि वे सभी लोग बी0एस0पी0 के रहे हों, समाजवादी के रहे हों, कांग्रेस के रहे हों और यह भी जरूरी नहीं कि जो उधर बैठे हुए हैं, वे मूलतः समाजवादी पार्टी के रहे हों, लेकिन उन तमाम बातों की तरफ चूंकि आज माननीय संस्दीय कार्यमंत्री जी ने कहा कि अभी यह अन्तिम नहीं है, अभी और बुलाया जा सकता है, दोबारा बुलाया जा सकता है लेकिन इस बीच में जो नेता सदन ने धन्यवाद प्रस्तुत किया है, ठीक है, स्वप्न देखना अच्छी बात है, उसमें कोई टैक्स तो लगता नहीं है।

श्री अखिलेश यादव-

मैंने कहा कि सपने पूरे करना।

श्री मोहम्मद आजम खां-

हमने पथरीले ख्वाब नहीं देखे, हरे-भरे देखे।

श्री गया चरण दिनकर-

यह एक छोटा सा ही सत्र था और इस सत्र में जो हमारे माननीय विधायक गण हैं और विशेष कर भारतीय जनता पार्टी के, कांग्रेस के, लोकदल के चूंकि वे जनता द्वारा चुनकर आयें हैं, लोग अपनी समस्यायें, दिक्कतें रखतें हैं और जो जनता के बीच में रहेगा वह हर प्रकार की दिक्कत और परेशानी से जूझता है और वह चाहता है कि यदि मैं सदन में आया हूं तो जो जन-समस्यायें हैं, दिक्कतें हैं, परेशानियां हैं, कम से कम मैं उनको प्रस्तुत कर सकूं और बखूबी माननीय सदस्यगणों ने अपने कर्तत्यों का निवर्हन किया, रखने की कोशिश किया। अध्यक्ष जी आप हम सब के संरक्षक हैं,

आपने निष्पक्ष भूमिका निभाई है और कभी-कभी आपने डांटा भी। हमने इसके पहले माननीय श्री केसरी नाथ त्रिपाठी जी को देखा, श्री धनी राम जी को देखा, वे अगर डांट देते थे तो लोग हल्ला-गुल्ला मचाना शुरू कर देते थे, आप उनसे कहीं दुगनी ताकत से भी डांटते थे लेकिन इसके बाद भी लोग बुरा नहीं मानते हैं, आपका व्यक्तित्व है, आपकी गरिमा है और यह सब लोग जानते हैं कि जो आप डांटते हैं, वो बाहरी है, अन्दर से आप नम्र हैं, विनम्र है, अगर डांटते भी हैं तो हमें सलीका सिखाने के लिए डांटते हैं, अच्छे के लिए डांटते हैं और आपने पद की गरिमा को बरकरार रखा, ऐसा ही हमारे तमाम सदस्यों को चाहे सत्ता पक्ष के हों या विपक्ष के हों, आपने जो गरिमापूर्ण कर्तव्यों का निवर्हन किया उसके लिए आपको धन्यवाद। माननीय नेता कांग्रेस, माननीय नेता भारतीय जनता पार्टी, माननीय नेता लोकदल, माननीय विधायक गण और इस सदन के सभी माननीय सदस्यगण इन चार-छ दिनों के सत्र में सबने जो सौहार्दपूर्ण वातावरण में सदन को चलाने में जो अपनी महत्वपूर्ण भूमिका दिखाई, योगदान दिया, वे सब भी धन्यवाद के पात्र हैं और हम लोगों से ज्यादा जो सचिवालय के कर्मी हैं, स्टाफ है, गार्ड है, रिपोर्टर हैं, इन लोगों की भी बहुत बड़ी भूमिका रही, बहुत बड़ा योगदान रहा, अपनी तरफ से अपने दल की तरफ से और सम्पूर्ण विपक्ष की तरफ से मैं इन्हें भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूं और हंसी-खुशी के साथ जायें, एक महीने में, डेढ़ महीने में, दो महीने में जब भी सदन आये, सत्र बुलाया जाये उस मौके का हम लोग इन्तजार करेंगे और तब तक अपना जो कर्तव्य हैं कि अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर हम दुखी-पीड़ित लोगों के बीच में जाकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। राजनैतिक दलों की विचार-धारायें होती हैं और जो जिस दल से चुनकर आया है, उस दल के लिए वह काम करेगा, उस दल की विचार-धारा को आगे बढ़ाने में अपनी बात को रखेगा। यह स्वाभाविक है लेकिन उसके पहले हम इंसान हैं। जाति, धर्म से हट करके हम एक इंसान की हैसियत से और एक जिम्मेदार नागरिक की हैसियत से, जन प्रतिनिधि की हैसियत से अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। हमारे सभी जन प्रतिनिधि चाहे वे सत्ता पक्ष के हों, चाहे विपक्ष के हों अपनी-अपनी पृष्ठभूमि, अपनी-अपनी जो उनकी जिम्मेदारी है उसका निर्वहन करते हैं। विरोध भी जो होता है वह जनहित के लिए होता है, जन कल्याण के लिए होता है। विपक्ष की जो भूमिका होती है, अगर विपक्ष की भूमिका न होती, विपक्ष न होता तो फिर तानाशाही आ जाती और तानाशाही से जनता के हकों और अधिकारों की रक्षा नहीं की जा सकती। जहां एक तरफ इस लोकतंत्र में सत्ता की भूमिका है तो वहीं विपक्ष की भी भूमिका है। लोकतांत्रिक मूल्य जिन्दा रहें, हम मिलजुल करके आगे बढ़ें और चाहे हम सत्ता में रहें या विपक्ष में रहें लेकिन हमारा वसूल जन कल्याण का होना चाहिए। ये कह लेना, मा0 मुख्य मंत्री जी का कहना कि हम तो चाहते हैं कि किसी तरह चुनकर आएं। यह तो वक्त बताएगा, जनता की अदालत में जाना होगा, हमने क्या किया है, क्या नहीं किया है, जनता उसका फैसला करेगी और जनता ही तय करेगी कि हमें विपक्ष में बैठना है या सत्ता में बैठना है। इन तमाम बातों के साथ मैं पुनः मा0 अध्यक्ष जी आपको, मा0 नेता सदन को, मा0 नेता कांग्रेस पार्टी, मा0 नेता लोकदल, मा0 नेता भारतीय जनता पार्टी तथा पक्ष और विपक्ष के सभी मा0 सदस्यगण को तहेदिल से धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 नेता सदन एवं मुख्य मंत्री जी, मा0 नेता विरोधी दल, मा0 नेता कांग्रेस, मा0 नेता लोकदल तथा पक्ष और विपक्ष के सभी मा0 सदस्यगण। मा0 अध्यक्ष जी, सबसे पहले

तो हम आपको धन्यवाद देंगे कि आपने सदन का संचालन बहुत कुशलतापूर्वक और विवेक से किया। कई नई परम्पराओं की शुरुआत भी की जिसमें कल की परम्परा भी शामिल है। मान्यवर, व्यक्ति को तीन बातें जरूर प्रभावित करती हैं। नम्बर एक, मॉ-बाप के जींस, नम्बर दो ग्रह-नक्षत्र जिसमें हम पैदा हुए ये हमारा विश्वास है और नम्बर तीन माहौल, वातावरण, एटमॉसफियर जो हमारे सराउण्डिंग है। पहली दो चीजों को हम बदल नहीं सकते। न हम बदल सकते हैं मां-बाप के जींस और न हम बदल सकते हैं ग्रह-नक्षत्र जिसमें हम पैदा हुए। हम बदल सकते हैं तो केवल माहौल बदल सकते हैं। मान्यवर, गीता के तीसरे अध्याय का यह तीसरा श्लोक है कि ऊपर बैठे हुए लोग जो आचरण करते हैं शेष समाज उसी का अनुकरण करता है। यह सदन इस पूरे प्रदेश की जनता के लिए, इस देश की जनता के लिए एक आईना है। हम जो भी आचरण करते हैं शेष समाज उसी का अनुकरण करेगा। यह मान्यता है, यह हम मानकर चलते हैं तो सबसे पहले मेरा जोर इस बात पर है कि सदन की कार्यवाही ज्यादा से ज्यादा चले जो नियमों में व्यवस्था है और अगर मान्यवर, यह संभव न हो तो इन नियमों को बदल दिया जाए। दूसरी बात यह है कि सदन में आप सन् 80 से पहले की बहस का स्तर उठाकर देख लीजिए कि उस समय बहस का स्तर सदन में क्या था ?

एक-एक छोटी-छोटी बात की मीमांसा होती थी, जिस प्रकार से हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में होती है और उसके ऊपर चर्चा होती थी, लोग उस कार्यवाही को पढ़ते थे, यह सही है कि आज की आवश्यकताओं ने उसमें बहुत-सा हस्तक्षेप करके जो हमारी नाली की, बिजली की, सड़क की जो समस्यायें हैं, जो आवश्यक आवश्यकतायें हैं, जो हमारी रूटीन की आवश्यकतायें हैं, उन्होंने ज्यादा स्थान ले लिया है लेकिन फिर भी उस बहस को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। विधान सभा के स्तर को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए और विधान सभा में लगातार किसी न किसी विषय पर बहसें होनी चाहिए, जरूर होनी चाहिए। चाहे इसके लिए आवश्यकता हो तो विशेष सत्र बुलाया जाए और आप हमारे संरक्षक हैं मान्यवर, आप इसमें भी इनिसियेटिव ले सकते हैं। बहुत से ऐसे मुद्दे हैं, जैसे कि आज पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम है। जब नया फूड सिक्योरिटी ऐक्ट आया तो सबसे ज्यादा जनता को प्रभावित करने वाला, गरीब लोगों को प्रभावित करने वाला सस्ता खाद्यान्न उसके माध्यम से मिल सकता है, लेकिन 27-28 जिले पहली जनवरी को इसमें शामिल हुए और 1 मार्च को बाकी के 48 जिले शामिल हुए लेकिन आज तक उन लोगों को राशन कार्ड ठीक से नहीं मिल पाया है और अगर 10 परसेन्ट लोगों को राशन कार्ड मिल भी गया है मान्यवर, तो उन लोगों को गल्ला आज भी 6 महीने, 8 महीने से नसीब नहीं है, आप देख लीजिए। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का इस पर ध्यान जरूर आकर्षित करना चाहता हूं। मान्यवर, यह बहुत आवश्यक है जो कि 16-17-18 करोड़ लोगों को प्रभावित करने वाला कानून है, जिससे दो रूपये और तीन रूपये में गेहूं और चावल मिल सकता है मान्यवर, उसके ऊपर जरूर आपका ध्यान दिलाना चाहेंगे। तीसरी बात यह है मान्यवर कि यहां केन्द्र सरकार ने पहली बार बिना मांगे 32 परसेन्ट के स्थान पर 42 परसेन्ट धन केन्द्रीय करों में हमको दे दिया गया। आज जितनी भी योजनाएं प्रदेश में दिखाई पड़ रही है उसमें कहीं न कहीं केन्द्र का दखल है, केन्द्र का सहयोग है, जो केन्द्र के सहयोग से संभव है। मान्यवर, मेट्रो की बात कही गई, मेट्रो में हमारा भी हिस्सा है, बराबर का हिस्सा है और इस बात को स्वीकार किया जाना चाहिए, वाइडली स्वीकार किया जाना चाहिए। केन्द्र में बैठे हुए लोगों की मंशा अच्छी है, नीयत अच्छी है, वह चाहते हैं

कि बेहतर हो, जो गिरावट का ग्राफ गिरता आ रहा है मान्यवर, उन्होंने उसको थामा भी है और अब हम ऊपर की तरफ जा रहे हैं, केन्द्र सरकार के जितने भी विभाग हैं, वह तरक्की की तरफ ऊपर की तरफ जा रहे हैं। मान्यवर, पांचवीं बात यह है कि माननीय मुख्य मंत्री जी यह इस सदन की परम्परा रही है कि इस नेता सदन की कुर्सी से जब भी कभी कोई एक भी शब्द निकला तो उसका पालन जरूर हुआ है और मान्यवर, हमें इस बात को कहने पर दुःख है कि कभी-कभी हमको बार-बार उसको याद दिलाने की आवश्यकता नहीं पड़नी चाहिए। मान्यवर, कार्यवाही में भी आता है और अधिकारी लोग यहां पर बैठकर नोट भी करते हैं, उसका अपने आप पालन होना चाहिए, उसको याद दिलाने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। इसलिए हम माननीय मुख्य मंत्री जी से जरूर कहना चाहेंगे कि जो भी मुंह से निकले वह पूरा होना चाहिए, क्योंकि नेताओं के प्रति लोगों का विश्वास कम हुआ है और उसके लिए जिम्मेदार हम लोग हैं, सभी जिम्मेदार हैं, क्योंकि लोगों में विश्वसनीयता अगर राजनीति के प्रति कम हुई राजनैतिक लोगों के प्रति कम हुई तो उसके लिए जिम्मेदारी हमारी है। उस जिम्मेदारी को जो सत्ता में बैठे हुए लोग हैं, जो देश के कर्णधार हो, जो प्रदेश के कर्णधार हैं, उनको आगे बढ़कर इस बात को सोचना चाहिए कि चाहे जमीन, आसमान एक हो जाए, चाहे कोई परिस्थिति हो, अगर मुंह से, जुबान से कोई चीज निकले तो उसका पालन जरूर होना चाहिए, बिना मांगें होना चाहिए। मान्यवर, जनता ही लोकतंत्र में भगवान का रूप है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने कई बार इस बात को दोहराया कि छठा बजट हम पेश करेंगे। हम भी दावा कर सकते है कि हम सत्ता में बैठे हैं। ऐसा नहीं है कि हमारी जुबान इस बात को कहने में कोई संकोच खाती है और आज की परिस्थिति यह देख कर कहती है कि उत्तर प्रदेश में अगली सरकार भारतीय जनता पार्टी की बनेगी।

(हंसी)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग शांत रहे, जल्दी खत्म होने दें। धन्यवाद प्रस्ताव डिबेट में बदल गया है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, हम पक्ष के और विपक्ष के सभी लोगों को धन्यवाद भी देते हैं और इस बात के लिए क्षमा भी चाहते हैं कि अगर जाने-अनजाने में हमसे कोई गलती हो गयी हो, कभी कुछ ज्यादा बोल गये हों, सदन का ज्यादा समय ले लिया हो या कभी आपके हृदय को ठेस पहुंचाई हो या किसी माननीय सदस्य के हृदय को ठेस पहुंचाई हो उसके लिए हम सार्वजनिक रूप से क्षमा चाहते हैं, माफी चाहते हैं। हम यह उम्मीद करते हैं कि आपने जो सदन की गरिमा और सदन की परंपरा को कायम रखा, आगे भी उसको कायम रखा जाये। अध्यक्ष जी, आप सहित, प्रमुख सचिव सहित पूरे स्टाफ का, सारे पत्रकारों का, सारे अधिकारियों का और सभी लोगों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने सदन को चलाने में सहयोग दिया। हम अपने दल के लोगों को भी हृदय से धन्यवाद देते हैं कि जिन्होंने हमको भी अभूतपूर्व सहयोग दिया है। आखिर में बहुत से लोगों की मांग थी जो कल वाला शेर था वह कह दिया जाये, मान्यवर, अगर आपकी इजाजत हो तो सुना दें।

श्री अध्यक्ष-

हां सुनाइए।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, आपसे डर लगता है कहीं कोई कानून बता कर रोक न दें।

(हंसी)

'चिरागों को आंखों में महफूज रखना,
सफर में न जाने कहां रात होगी,
मुसाफिर हैं हम भी, मुसाफिर हो तुम भी,
किसी मोड़ पर फिर मुलाकात होगी।'

बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

आपने उसके लिए धन्यवाद नहीं दिया जिसका प्रस्ताव आपने प्रस्तुत किया, उसके लिए भी सरकार को धन्यवाद दीजिए।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, अपनी बात शुरू करने से पहले कल जो आपने परम्परा शुरू की।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, बैठिए।

*श्री प्रदीप माथुर-

माननीय अध्यक्ष जी, आपका हम लोग किन शब्दों में आभार व्यक्त करें, आपकी सहजता, आपकी एक समदृष्टि और जिस तरह से आपने हम सभी लोगों को इन साढ़े चार सालों में बोलने का मौका दिया, सभी दलों के ऊपर आपकी विशेष कृपा रही। हम अपनी कृतज्ञता आपको प्रेषित करते हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी की सहजता और विकासोन्मुख सोच जिसमें कि उन्होंने सभी लोगों को, जो भी उनके पास गए किसी को भी निराश नहीं किया। बराबर विकास की बात की और जो भी विकास का काम रहा, उसको उन्होंने हमेशा गले से लगाया और उसका काम किया। माननीय अध्यक्ष जी, माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी की वाक्पटुता और हाजिरजवाबी एक यूनिक कारण है जो हाथ के हाथ जवाब देते हैं, मामले में बिल्कुल साफगोई से बात कर लेते हैं। माननीय शिवपाल जी की सहजता और सोच विकासोन्मुख है। मैं ऐसी सोच रखता हूं कि इन्होंने पूरे 403 विधायकों का काम किया होगा। जो हमारे नए नेता प्रतिपक्ष आए हैं, वह निहायत शरीफ हैं। इस सत्र में हमें बसपा की दहाड़ और आवाज नहीं सुनाई पड़ी। हम लोगों ने महसूस किया कि बसपा इस हाउस में एबसेंट रही। माननीय अध्यक्ष जी, इन 15 सालों में हम अपने नेता भारतीय जनता पार्टी को मनाने में विफल रहे उनका न निकाह करा पाये न शादी करा पाये। माननीय अध्यक्ष जी, हमारे दद्दा दलवीर सिंह जी यह निहायत सहज हैं, सबकी बाते इन्होंने रखी और सबकी हां में हां मिलाई। माननीय अध्यक्ष जी, हम सब लोग बहुत अच्छे भाईचारे के साथ रहे इन 4 सालों में हलांकि यह आखिरी सदन नहीं है। सभी लोगों ने जो पक्ष का काम था वह पक्ष ने किया, जो विपक्ष का काम था वह विपक्ष ने किया पर आप सबको सम्भाल के लेके चले और बहुत अच्छी तरह हाउस चला, अच्छा होता और हाउस चलता। आजम खां साहब ने अभी बताया कि अभी एक सत्र और होगा इन 5 सालों का। हम उम्मीद करेंगे कि वह सत्र भी अच्छा होगा।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आपकी वजह से माननीय मुख्य मंत्री जी की वजह से 403 विधायकों की सबका वेतन भत्ता सब अच्छे बढ़े, इनकी भी आवश्यकता थी। प्रेस वाले पूछ रहे थे कि भाई, इतना बढ़ा दिया गया आपकी आपत्ति तो मैंने कहा कि क्या एमएलए इंसान नहीं होते, क्या उनके लिए मंहगाई नहीं होती, क्या उनके बच्चे नहीं होते, क्या उनके खर्चे नहीं होते, सारी बाते आपके मद्देनजर रखते हुए रखा। आपने पूर्व विधायकों का भी ख्याल किया परन्तु हमारे यह जो पहाड़िया जी हैं जिनके बारे में आप बहुत कुछ कहते हैं उनकी यह मांग हैं कि निधि पर मुख्य मंत्री जी का ध्यान नहीं गया। जो क्षेत्रीय विकास निधि है वह कम है यदि उसे भी बढ़ा दिया जाता तो थोड़ी संतुष्टि होती भागते भूत की लंगोटी भली। उसका कुछ मिल जाता तो एमएलए का काम बन जाता। तो मैं समझता हूं कि मुख्य मंत्री जी इस पर भी विचार कर लेंगे हलांकि आचार संहिता लगने वाली है। शहरी क्षेत्र के विधायकों का, आपने जो कानपुर के भाजपा के नारे लगाने वाले विधायक हैं वह बार-बार मेरी तरफ उंगली कर रहे हैं कि शहरी क्षेत्र के विधायकों के हैण्डपम्पों का क्या होगा। आजम खां साहब से मेरे माध्यम से कहलवाना चाहते हैं। कभी इन लोगों को कुछ दे दें जिससे कि यह सब हो सके। माननीय अध्यक्ष जी, सब क्लेम कर रहे हैं यह भी क्लेम कर रहे हैं कि हम सत्ता में आयेंगे, भारतीय जनता पार्टी वाले तो आने वाले नहीं हैं इनके खिलाफ तो सब धर्मनिरपेक्ष दल एक हो जाते हैं और इनको भी आने देंगे यह गलत फहमी के शिकार हैं पर यह बात ध्यान रखियेगा कि कांग्रेस आ रही है, कांग्रेस आ रही है और जबरदस्त तरीके से आ रही है। और ऐसे अप्रत्याशित ढंग से आ रही है कि आप कल्पना भी नहीं कर सकते। आप आने वाले अगले चुनाव में देखेंगे कि सत्तापक्ष में कांग्रेस ही बैठी होगी। धन्यवाद, अध्यक्ष जी, आपने बोलने का मौका दिया।

*श्री दलवीर सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय नेता भाजपा, माननीय नेता कांग्रेस सबने अपने अपने तरीके से आपको सम्बोधित किया, मुख्य मंत्री जी को सम्बोधित किया अपनी बातें रखी। अभी सरकार 6 महीने हैं और जैसा मुख्य मंत्री जी, संसदीय मंत्री जी कह रहे हैं एक सत्र और होगा उसमें ही माना जायेगा अंतिम विदाई का क्षण। अभी मैं यह कह सकता हूँ कि आपने साढ़े चार साल में बड़े अनुभव और सूझबूझ के साथ यह सदन चलाया। नेता प्रतिपक्ष ने बड़ी सारगर्भित बात कही आपके संबंध में। मैं अपने आपको इस बात से सम्बद्ध करता हूं। माननीय खन्ना जी ने अपनी पार्टी लाइन पर बात कही हमारी सरकार बनेगी और माथुर जी ने बहुत बढ़चढ़कर कह दिया जैसे उनकी सरकार अभी बन रही है। लेकिन हमारा कहना यह है कि राष्ट्रीय लोकदल जो किसानों की एक मात्र पार्टी है बिना इस पार्टी के किसी की कोई सरकार नहीं बनेगी। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद दूंगा कि बहुत लम्बे समय से हमारे सभी विधायकों की पूर्व विधायकों की मांग थी वह आपने बड़ी सहजता से, जो हमारी समिति के सभी चारों-पांचों लोगों ने आपके सामने प्रस्ताव रखा उसे आपने स्वीकार किया इसके लिए मैं सभी विधायकों की ओर से आपको धन्यवाद् देता हूं। हर सरकार अपनी नीति बनाती है, आपकी भी सरकार ने जो नीति बनाई है उसमें कोई खोट नहीं है, हर सरकार की नीति बढ़िया होती है आपकी भी नीति बढ़िया है। अभी आपका 6 महीने का समय है मैं दो-एक सुझाव देना चाहता हूं हमारे साथियों ने अपने-अपने तरीके से बहुत

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सी बातें कही हैं। पूरे देश के कई प्रान्तों में किसानों का बिजली का बिल माफ कर दिया गया है, आपने एक शुरूआत की, आपने जो सिंचाई नलकूपों से नहर से हुई थी उसको आपने माफ करके किसानों के लिए अच्छी शुरुआत की है लेकिन इससे केवल 18 प्रतिशत किसानों को लाभ होता है, 82 प्रतिशत किसान अपने निजी संसाधनों से सिंचाई की व्यवस्था करते हैं उसमें बिजली का महत्व बहुत ज्यादा है। अभी 6 महीने का समय है आपको प्रदेश के लोग सराहेंगे अगर आप किसानों का बिजली का बिल हमेशा-हमेशा के लिए माफ कर देंगे तो आपका नाम इतिहास में लिखा जायेगा। आपने विधायकों के लिए आवास के लिए कहा था आपने विकल्प खोल लिया है, मेरा उसमें सुझाव है कि पूरब शहर के अयोध्या शहर के जो लोग हैं उनके लिए अयोध्या रोड पर, मध्य के जो लोग हैं कानपुर शहर के जो लोग हैं उनके लिए कानपुर रोड पर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए नोएडा एवं गाजियाबाद में आवास के लिए जगह तय हो जानी चाहिए। सचिवालय के नजदीक यहां के लोगों के लिए, जिनके लिए जो सुविधा करीब पड़ती हो उसके हिसाब से आप बनवा दें। जो भी आपके पास गया, जिस तरह से नेता जी के बारे में चर्चा थी कि वह कभी मना नहीं करते हैं, आप भी कभी मना नहीं करते हैं हरएक का काम करने की आपने कोशिश की। मा0 शिवपाल जी के लिए मैं कह सकता हूं कि कोई भी विधायक किसी भी दल का गया हो, उन्होंने विकास कार्य, सड़कों के लिए कभी मना नहीं किया। संसदीय कार्य मंत्री जी के तो कहने ही क्या, उनसे तो हम लोगों को इतना फक्र है कि हम कहीं दिल्ली या कहीं और जाते हैं तो कहते हैं कि हमारे जैसा संसदीय कार्य मंत्री तो पूरे हिन्दुस्तान में कहीं नहीं है। आप लोगों ने बहुत बड़े प्रदेश को चलाने में जितनी जद्दोजहद कर सकते थे, प्रयास कर सकते थे, चलाने की कोशिश की है और अभी 6 महीने शेष हैं किसानों के लिए और जो शेष आपकी बातें रह गई हैं इन्हें बहुत मजबूती के साथ इन 6 महीनों में यदि सख्ती के साथ लागू करा दिया तो जो आपका सपना है हम जो लोग बैठे हैं शायद सब के सब आ जायेंगे। इसमें मेरा यही सुझाव है कि इच्छाशक्ति से इन्हें 6 महीने में लागू करायें। अभी हमारी जो विधायक निधि की किश्त रह गई है उसको शीघ्रता से भिजवा दें।

विपक्ष के एक सदस्य-

बढ़ा दें।

श्री दलवीर सिंह-

चलो इनके कहने से विधायक निधि भी बढ़ जायेगी तो भी आपका इतिहास में नाम हो जायेगा। मा0 शिवपाल सिंह जी से मेरा निवेदन है कि सड़कों का बहुत मैदान हो गया है, आपने खूब सड़कें बनवाई हैं, पिछली सरकार में तो सड़कों का काम बिल्कुल नहीं हुआ था यह बात बिल्कुल अपनी जगह पर सही है। दो-तीन कामों की सराहना करनी चाहिए जैसे कि बिजली का काम, बिजली का काम बहुत अच्छा हुआ है, 33 के0वी0ए0 के बिजलीघर, 660 के0वी0ए0 के बिजलीघर, बिजली के ऊपर बहुत काम किया गया है। आपने कल उत्पादन के बारे में कहा था जब सरप्लस उत्पादन हो रहा है तो मेरे हरदुआगंज और आपके यहां भी बिजलीघर है उसकी यूनिट बन्द की जाती है कि उत्पादन ज्यादा हो गया है लेकिन बढ़े हुए उत्पादन के लिए जो लाइनों की व्यवस्था है उसमें अभी कमी है उसके लिए आप थोड़ा प्रयास करें तो बिजली के मामले में अच्छा हो जायेगा। जो अच्छी बातें हैं वह आपके लिए जरूर कही जायेंगी। जहां तक मिलने का सवाल है तो हमारे जितने भी मंत्री हैं, पिछली सरकार में तो शायद कई विधायक मैंने ऐसे कहते देखे कि हमारा तो आजतक मुख्य मंत्री के पास

जाना ही नहीं हो पाया, हम दर्शन नहीं कर पाये। लेकिन इस सरकार के हमारे कोई भी मंत्री जितने बैठे हुए हैं, मिलने में कोई कमी नहीं छोड़ते। हमारा केवल आपके माध्यम से एक निवेदन है इन 06 महीनों में जो काम रह गये हैं सख्ती से उसे करा दें। एक मेरा अंतिम सुझाव है, आप हमारे सदन के नेता हैं, प्रदेश के मुख्य मंत्री हैं, हमारे कई साथियों को जनता की मांग करने के लिए जद्दोजहद थानों पर, तहसीलों पर, जिलों पर करनी पड़ती है उनके खिलाफ कई राजनीतिक केस लगे हैं, मेरे ऊपर भी लगे हैं और बहुत से विधायकों पर ऐसे केस लगे होंगे जो राजनीति से संबंधित हैं, अपराध, डकैती व अन्य चीजों से मतलब नहीं है लेकिन जो राजनीतिक कारणों से केस लगे हैं। मैं आपसे विशेष रूप से निवेदन करूंगा सभी विधायकों पर से आपकी सरकार उन केसों को वापस ले ले। यह मेरा अतिंम सुझाव है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

माननीय नेता सदन, मा0 नेता विरोधी दल, मा0 नेता भारतीय जनता पार्टी, मा0 नेता कांग्रेस, मा0 नेता राष्ट्रीय लोकदल, सभी मा0 मंत्रिगण, सभी सम्मानित विधायकगण, आज इस सत्र का आखिरी दिन है। जब हम और आप चले थे गांवों में, पगडंडियों पर, गलियों में तो एक बड़ा अरमान लेकर लोगों ने हमको और आपको यहां भेजा था। हम यहां से लौटकर जांए तो हमें उसकी समीक्षा करनी चाहिए कि हम उन अरमानों को पूरा करने में कितना सहयोगी बने हैं, कितना अभी अवशेष है। एक अवसर है अभी उन कामों को पूरा करने का। विधान सभा चलाने में मा0 नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष और सभी दल के नेताओं ने जो मुझे सहयोग दिया उसके लिए मैं हृदय से आभार प्रकट करता हूं। माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी का मैं बहुत आभार प्रकट करता हूं क्योंकि सदन के संचालन में संसदीय कार्य मंत्री का बहुत बड़ा योगदान होता है और जिस ढंग से मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी ने योगदान दिया, वह सराहनीय है, मैं फिर उसके लिए उन्हें बधाई देता हूं। कभी-कभी अपने कर्तव्यों के पालन में, कठोर बातें बोलनी पड़ती हैं वो इसलिए नहीं कि मेरे मन में किसी के प्रति द्वेष है या मैं किसी को कुछ कहना चाहता हूं। कभी-कभी ऐसी परिस्थिति आ जाती है शोरगुल में, अगर उस शोरगुल से ऊपर उठकर मैं जोर से न बोलूं तो आपकी आवाज नहीं दबेगी और आप शांत नहीं होंगे इसलिए यह समझकर नहीं कि मैं किसी को जोर के आवाज में कहा हूं, सबको अपना परिवार समझता हूं और इस विधान सभा में सभी सदस्य हमारे परिवार के सदस्य के रूप में रहे हैं मैंने कभी उनको अलग नहीं समझने की कोशिश की है इसलिए जब परिवार का होता है तो अपने परिवार को ही डांटता है किसी शत्रु को नहीं डांटता है। क्योंकि यदि विरोधी और शत्रु को डांट देगा तो विवाद पैदा हो जायेगा। अपना परिवार समझकर कहीं कोई ऐसी बात आयी होगी तो मैंने कहा होगा। पहली बार एक घटना हुई, उसके लिए मुझे दुःख भी है और आज भी मैं दुःखी हूं। इस सदन से पिछली बार भी किसी को नहीं निकाला गया था लेकिन उस दिन ऐसी परिस्थिति आ पड़ी कि कुछ हमारे मा0 सदस्यों को सदन से बाहर जाना पड़ा वह मात्र केवल 40 मिनट के लिए था वरना ऐसी कोई बात नहीं हुई। आप सबका पूरा सहयोग मिलता रहा है। हम आप सबका, माननीय नेता सदन का, मा0 नेता सदन और सरकार को इसलिए भी धन्यवाद देना चाहता हूं, माननीय विधायकगण आप लोग जब हमसे मिलते थे, मुझे ही अपने विकास का, जो वेतन का विकास है उसके मार्ग में सबसे बड़ा बाधा हम ही को बताते थे लेकिन हमने कोई बाधा उसमें नहीं डाली। आपके सभी दलीय नेता बैठे थे और सबने जो प्रस्ताव किया, माननीय मुख्य मंत्री जी और सरकार ने सहर्ष उसे स्वीकार कर लिया (मेजों की

थपथपाहट) उसमें किसी प्रकार का कोई संशोधन नहीं किया। आज जब आप अपने घर जायेंगे तो कल अखबार में पढ़ेंगे जिस चीज को बचाने की बात करता था वह कल अखबारों में पढ़ेंगे। आपका थोड़ा सा बढ़ा है और दूसरे का दस गुना बढ़ता है, उनको दस गुना नहीं दिखायी देता है विधायक का दो रुपया बढ़ जाए तो उनकी आंखों में खटकता है। मैं माननीय खन्ना जी को इसलिए बधाई देता हूं कि इनका प्रस्ताव था और इन्होंने प्रस्ताव किया, नेता कांग्रेस ने किया नेता विरोधी दल ने किया हमारे नेता सदन ने उसमें कोई संशोधन नहीं किया। संसदीय कार्य मंत्री जी उस प्रस्ताव में मौजूद नहीं थे हम ही अकेले थे और हमने उस प्रस्ताव को संसदीय कार्य मंत्री के समक्ष रखा आपकी आवश्यकता को देखते हुए, आपकी भावनाओं को देखते हुए उन्होंने स्वीकार किया फिर मुख्य मंत्री जी ने और सरकार ने उसे मान्यता दी और आज आपके बीच में विधेयक पारित हुआ। इसके लिये हम सब विधायकों को माननीय मुख्य मंत्री जी के प्रति आभार प्रकट करना चाहिए कि यह उन्होंने किया। (मेजों की थपथपाहट) आज हम लोग यहां से जायेंगे बड़े बड़े काम हैं, हमें अपनी समीक्षा करनी होगी कि जन हित के कितने मामले हमने उठाये हैं, जनता की कितनी बातों को हमने सदन के पटल पर रखा है और उसको कितना हम दूर कराने में सहयोगी रहे हैं। इसकी समीक्षा करने का यह चार महीने का समय है। अगर समीक्षा करके दो दिन आप अपने क्षेत्र में बैठकर यह सोचेंगे कि कितने जनहित की बातें उठाईं कितना हमने अपने विकास के लिये बात की, कितना सरकार के अच्छे कामों की सराहना की। यह सारी समीक्षा करने का समय आपको है और इसको करके अगर अपना भविष्य निश्चित करेंगे तो मैं समझता हूं कि सब लोग सुखी रहेंगे। मैं आप सबके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं और आपको हृदय से धन्यवाद देता हूं, शुभकामनाएं देता हूं। धन्यवाद।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय अध्यक्ष महोदय, हालांकि मैं कहना भूल गया था कि जो सुरक्षा कर्मी हैं सदन में हर वर्ष उनका बढ़ाना पड़ता है, मांग रखते हैं तो इस बार भी उनका वही प्रोत्साहन भत्ता हम बढ़ा देंगे।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है। मेरा भी कहने से छूट ही गया था। मैं सबसे ज्यादा अपने प्रमुख सचिव को धन्यवाद देता हूं जो इन्होंने यहां नई परम्परा कायम करने में पूरा सहयोग दिया। सभी कर्मचारियों को भी धन्यवाद देता हूं, सभी अधिकारियों को जो विधान सभा से संबंधित हैं, उनके प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं। माननीय संसदीय कार्य मंत्री अब प्रस्ताव करें।

[12.28] सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिये स्थगित करने का प्रस्ताव

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आज़म खां)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से यह प्रस्ताव करता हूं कि फिलहाल सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिये स्थगित की जाय।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि सदन की कार्यवाही फिलहाल अनिश्चितकाल के लिये स्थगित की जाय।

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्व सम्मति से स्वीकृत हुआ)

राष्ट्र-गान

श्री अध्यक्ष-

अब राष्ट्र-गान होगा।

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे।
भारत-भाग्य-विधाता ।।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग ।
विन्ध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा,
उच्छल-जलधि-तरंग ।।
तब शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे ।।
गाहे तव जय गाथा ।।
जन-गण-मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य विधाता ।।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ।।

श्री अध्यक्ष-

अब हम अनिश्चित काल के लिये उठते हैं।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 12 बजकर 30 मिनट पर अनिश्चितकाल के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :
दिनांक 01 सितम्बर, 2016 ई0

प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव, विधान सभा,
उत्तर प्रदेश।

पी0एस0यू0पी0-एल0 184 विधान सभा (308) 1-12-2016-813 प्रतियां (कम्प्यूटर)।